

ქართული ტალენტობი

1884 G.

37816

g s ð œ ŋ ʒ ð ɛ ð ɛ ð ɛ

৪. মোহাম্মদিন দ্বারা সংস্কৃত শব্দের অর্থ কি?



188-1

მ. ვართანიან ცის სტამბა, ლა კომპ.

ତଥାଙ୍କରିବା



Доз. Цензурою Тифлисъ, 30 ноября 1883 года.

၁၄	၁၅	၀၁၉၂၁၁၀ ၃၁ ဇန. ၂၀၂၄	၁၆.
ကျ. +	၁	၆၇၀ လာဖွ. ဗျွေလီစာ လာ ၆၇။ ဒာရေးဝါယာ.	၁၄
၁၇၈.	၂	၆၇။ စိတ်ပိုင်ခြားမြတ်စွာ လှေမတာ အာအိသာ.	၁၅
၁၈၇.	၃	၆၇၀၁၁၇။ မျှော်. မာလာ၍ ပါသာ မြန်. ဂုဏ်- လိုပါသာ.	၁၆
၁၉၆.	၄	၂၇၀ မြေပါ၍ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၁၇
၁၉၇.	၅	မြန်၏ တွေ့ဆုံးမြတ်စွာ လှေ တွေ့ဆုံးမြတ်စွာ.	၁၈
၁၉၈.	၆	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၁၉
၁၉၉.	၇	၂၇၀၁၁၇။ ၆၇။ ၆၇၀၁၁၇။ ၆၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၀
၂၀၀.	၈	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၁
၁၇၈.	၉	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၂
၁၈၇.	၁၀	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၃
၁၉၆.	၁၁	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၄
၁၉၇.	၁၂	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၅
၁၉၈.	၁၃	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၆
၁၉၉.	၁၄	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၇
၁၇၈.	၁၅	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၈
၁၇၈.	၁၆	၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။ ၂၇၀၁၁၇။	၂၉

୧.	୨.	ନାନ୍ଦୁଳୀ ୩୧ ଡିସେମ୍ବର ୨୦୨୦	୩.
ସାପ୍ତ.	୧୭	ଲାକ୍ଷ୍ମୀନାଥ - ଶମିଲା - ଅନ୍ତର୍ମାନ - ଲୋକିନ୍ଦା.	୧
ଜନ୍ମ.	୧୮	ଫର. ଆନନ୍ଦଶ୍ରୀ ଓ କୁମାରିଲ୍ଲେ ଅଲ୍ଲୁଫିଲ୍ଦାନନ୍ଦ, ପିତା ପ୍ରେସ୍ବି.	୨
କ୍ଷୁତ.	୧୯	ଲାକ୍ଷ୍ମୀ. ପ. ମାଧ୍ୟାରୀ ଏବ୍ୟାକ୍ଷତ୍ରେଲାହାଶା ଅନ୍ତର୍ମାନଙ୍କ ମାର୍ଗତ୍ରୈମ୍ପଣ୍ଡ. (ପାରିତ୍ୟ. ପ୍ରକ.)	୩
ତାର.	୨୦	ଲାକ୍ଷ୍ମୀ. ମାଧ୍ୟ. ଶ୍ରୀକୃତ୍ତିମିଶ୍ର ଲୋକିନ୍ଦା. ମନ୍ଦିରମେତା ଶାଶ୍ଵତ ଓ ପ୍ରେସ୍ବି.	୪
ଜ୍ଞାତ.	୨୧	ଲାକ୍ଷ୍ମୀ. ମାଧ୍ୟ. ମାଧ୍ୟାରୀଶ୍ରୀଅଲମଶ୍ଶାର୍ଯ୍ୟଭ୍ୟେଲାହା. ମନ୍ଦିର. ନେଟ୍ୟୁନ୍‌ପ୍ଲେ ଓ ଏକନାତ୍ରେସି.	୫
ପ୍ରେରଣ.	୨୨	ମନ୍ଦିର. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର, ମନ୍ଦିର. ଅନାଶତ୍ରସାର୍ବିଦି.	୬
ଜନ୍ମ.	୨୩	ଫର. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର. ମନ୍ଦିର. ଅଗାତାନିକା ଗ୍ରେଲାହା, ଲାକ୍ଷ୍ମୀନାଥ ପିତା.	୭
ସାପ୍ତ.	୨୪	ଲାକ୍ଷ୍ମୀ. ମାଧ୍ୟ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ମାଧ୍ୟେତରନ ହିନ୍ଦା.	୮
ଜନ୍ମ.	୨୫	ଫର. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଲ୍ରେଟାର-ମେଟ୍‌ପ୍ରେସ୍ବିଲ୍ଲାହା.	୯
କ୍ଷୁତ.	୨୬	ଲାକ୍ଷ୍ମୀ. ପ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଓ ମାର୍କିନାମିନା.	୧୦
ତାର.+	୨୭	ଅଲମିଶ୍ଶାନନ୍ଦ. ନାନ୍ଦିଲାତା. ଫର. ମାଧ୍ୟ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବରିନାହା.	୧୧
ଜ୍ଞାତ.	୨୮	ଫର. ମାଧ୍ୟ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଏକାନ୍ତିରିମାନ ଲ୍ରେଟାର ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବରିନାହା.	୧୨
ପ୍ରେରଣ.	୨୯	ଅଲମିଶ୍ଶାନନ୍ଦା ନାନ୍ଦିଲାତା, ଫର. ମାଧ୍ୟ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଲ୍ରେଟାର ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବରିନାହା.	୧୩
ଜନ୍ମ.+	୩୦	ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଶାମିଲା. ମାଧ୍ୟ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଲ୍ରେଟାର, ମାଧ୍ୟ. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଲ୍ରେଟାର ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବରିନାହା.	୧୪
ସାପ୍ତ.	୩୧	ଫର. ଶାକ୍ତି. ମାଧ୍ୟମେତ୍ର. ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବର ଓ ପ୍ରିମିତ୍ରେଶ୍ବରିନାହା	୧୫

		ଭେଦବିଭାଗ 29 ଫେବ୍ରୁଆରୀ	ଅବସଥା
ନାମ.	1	ମନ୍ତ୍ର. ପ୍ରଧାନଙ୍କ ନାମ ମ. ଶ୍ରୀରାମେଶ୍ୱର.	16
ବ୍ୟକ୍ତି	2	ମିଶ୍ରବେଦ୍ଯା ଶ୍ରୀଲିଙ୍ଗି	17
ପାତ୍ର.	3	ଶ୍ରୀ. ଡା. ମାର୍କତଲାମ୍ବା. ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପାଠୀ. ମିଶ୍ରବେଦ୍ଯା ଶ୍ରୀଲିଙ୍ଗି ଡା. ରମେଶ୍ୱର, ଏକାନ୍ତିକ.	18
ଶାଖ.	4	ଲିଂକ. ମାର୍କ. ବିଜୁଲାର୍ଯ୍ୟ. ଡା. କୁରୁଳିଲ୍ଲୁଷ୍ମି ଶ.	19
		ମତ. ମନ୍ତ୍ର. ଗୋପନ୍ଦାସ.	
ପ୍ରକାର.	5	ମନ୍ତ୍ର. ଏଲାତରା. ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ରଲିଙ୍ଗି	20
ନାମ.	6	ଶ୍ରୀ ମହାପୁରୁଷଲ୍ଲେଶ୍ୱର ମନ୍ତ୍ର. ମାର୍କତଲାମ୍ବା. ମାର୍କତଲାମ୍ବା. ମାର୍କତଲାମ୍ବା.	21
ସାମାଜି.	7	ଲିଂକ. ମାର୍କ. କେନ୍ଦ୍ରତଥିନ୍ଦ୍ରିୟାଳ୍ୟ ଲ୍ଲୁବ୍‌କର୍. ଶ୍ରୀ. 1003 ମନ୍ତ୍ରମେତ୍ରା.	22
ନାମ.	8	ଶ୍ରୀମନ୍ତ୍ର. ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ରଲିଙ୍ଗି. କୁରୁଲିଲ୍ଲୁଷ୍ମି, ଡାଇ. ମନ୍ତ୍ର. ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ରଲିଙ୍ଗି.	23
ବ୍ୟକ୍ତି	9	ମନ୍ତ୍ର. ନର୍ତ୍ତିଜ୍ଞାନର୍ଥୀ. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ତ୍ର. ମାର୍କପ୍ରଦୀପ ଡା. ଆକାଶକୁମାରି	24
ପାତ୍ର.	10	ମନ୍ତ୍ର. କୁରୁଲିଲ୍ଲୁଷ୍ମି. ଶ୍ରୀ. ପରାମତ୍ତ୍ଵାନ୍ତିକାନ୍ତିକା, ଲ୍ଲୁଷ୍ମି. ଶ୍ରୀ. ଗୁଣମାନ, ଏକାନ୍ତିକା ଡା ଶ୍ରୀ.	25
ଶାଖ.	11	ଶ୍ରୀ. ମନ୍ତ୍ର. କୁରୁଲିଲ୍ଲୁଷ୍ମିରାମ. ମ. ଲିମିଟ୍ରିକ୍ସିପ୍. ଶ୍ରୀ. ମନ୍ତ୍ର. କୁରୁଲିଲ୍ଲୁଷ୍ମିରାମ.	26
ପ୍ରକାର.	12	ଶ୍ରୀ. ମେଲ୍ଲୁନ୍ଦରାଜାର୍ପାତ୍ରିଲିଙ୍କ. ମାମର ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ରଲିଙ୍ଗି	27
ନାମ.	13	ଲିଂକ. ମାର୍କ. କୁରୁଲିଲ୍ଲୁଷ୍ମିରାମ. କୁରୁଲିଲ୍ଲୁଷ୍ମିରାମ ଡା ମିଶ୍ରବେଦ୍ଯା ଶ୍ରୀଲିଙ୍ଗି.	28
ସାମାଜି.	14	ଡା. ମହାପୁରୁଷଲ୍ଲେଶ୍ୱର, ଏକାନ୍ତିକା ଡା ଶ୍ରୀ. ଶ୍ରୀରାମଚନ୍ଦ୍ରଲିଙ୍ଗି.	1
ନାମ.	15	ମନ୍ତ୍ର. ନବିନ୍ଦିପାତ୍ର. ଲିଂକ. ମିଶ୍ରବେଦ୍ଯା ଶ୍ରୀଲିଙ୍ଗି.	2

နှစ်	နှစ်	တော်ပြောလုံး 29 ဇန်.	အ�. မတွဲ.
ၬ၂၁.	16	မြောက်. မာမျှဝါလျှော့၊ ဒေသလျှော့ လာ သိဒ္ဓ. ၇၃. ဗြာလျှော့ရှင်းစာ.	3
၂၁၄.	17	လှိုင်. မြောက်. တော်ပြောလုံး ၇၃. မာရာဝါစာ	4
၂၁၅.	18	၇၃. လျှော့ရှင်းစာ၊ ရှာမြတ် အပါစာ လှိုင်း. မာမျှဝါစာ နားပါတ် လာ ဗြာလျှော့ရှင်းစာ.	5
၂၁၆.	19	မြောက်. အနောက်လူစာ လာ ဗြာလျှော့ရှင်းစာ. (လှိုင် အလျော့စာ လာမျိုး.)	6
၂၁၇.	20	၇၃. လျှော့ရှင်းစာ ပုံစံအောင် ဤပါယျကျော်လူစာစာ. လှိုင်. မာမျှ. အလှာတော်ရှင်းစာ၊ ရှာမြတ် အပါ.	7
၂၁၈.	21	လှိုင်. မာမျှ. ဖြုတ်ပြန်လုံး ၇၃. ဥပုသံဖြာတွေးစာ လာ ဂုဏ်ဆောင်ရွက်စာ.	8
၂၁၉.	22	လှိုင်. မာမျှ. အစားအသွေးစာ၊ ဒေသနာ အာရုံစာ. နားပါလျော်စာ. ၇၃. မြောက်. ဥပုသံရှင်းစာ	9
၂၁၁၀.	23	၇၃. မြောက်. ဒေသနာပါယျရှင်း ပီမိုက်ရှင်းလျှော့ရှင်း လ. မ. ဝောင်း၊ အနံ. လာ အလျော့ရှင်းနှင့်. ၂၁၁၁.	10
၂၁၁၂.	24	ဒေသနာရှင်းလျှော့ရှင်း လာ မြောက် ဒေသနာ ၇၃ အမြော်- လွှာလျော့ရှင်း တာသွေးစာ၊ လှိုင်. မ. ဥရှားနံမြတ်စာ.	11
၂၁၁၃.	25	၇၃. ပြာရာစာစာ၊ ပုံစံနားပြာရာစာ. ဥပါယျကျော်.	12
၂၁၁၄.	26	၇၃. ဒေသနာရှင်းစာ စားပြာရာစာ. မြတ်သွေးရှင်း မြတ်သွေးရှင်း.	13
၂၁၁၅.	27	၇၃. ဒေသနာရှင်းစာ၊ လျှော့ရှင်းလျော့ရှင်း၊ ဖြုတ်- ပြန်လူစာ လာ အော်လျော့ရှင်းစာ.	14
၂၁၁၆.	28	လှိုင်. မ. ဒာသွေးလူ. ၇၃. မြောက်. ဥရှားနားပြာရာစာ. လ. အောင်. မာရာဝါ ပုံစံ လာ စွဲမြတ်စာ.	15
၂၁၁၇.	29	လှိုင်း၊ ပြာသွေးရှင်း ရှာမြော့ရှင်းစာ.	16

ଶ୍ଲେଷ	ଶ୍ଲେଷ	ମାରକୁ 31 ଫେବ୍ରୁଆରୀ	ଅନ୍ତିମ
କ୍ଷୁଟ.	1	ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ ଏହା ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ ଏହା ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	17
କାର.	2	ଫିଲ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ, ଫିଲ୍. ଆର୍ଥିକ ପରିବାରରେ	18
ଶାତ୍.	3	ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, କ୍ଷୁଟୁଳିତିରେ ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	19
ପ୍ରୋଟ.	4	ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	20
ନାଈ.	5	ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ନାଈ. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	21
ସାମି.	6	ଫିଲ୍. 42 ମନ୍ଦିର. ଆମାରିକାରୀ. ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	22
ନାଈ.	7	ଫିଲ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	23
କ୍ଷୁଟ.	8	ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	24
କାର.	9	ଫିଲ୍. ମନ୍ଦିର. 40 ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଫିଲ୍. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	25
ଶାତ୍.	10	ଫିଲ୍. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	26
ପ୍ରୋଟ.	11	ଫିଲ୍. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	27
ନାଈ.	12	ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଫିଲ୍. ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	28
ସାମି.	13	ଫିଲ୍. ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ, ଏବଂ ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	29
ନାଈ.	14	ଲିନ୍. ମନ୍ଦିର. ପ୍ରସରିତୁଳିତିରେ, ଫିଲ୍. ଆନ୍ତରିକ ପରିବାରରେ	30

କଥାରୁତ୍ତି ୩୧ ଲଙ୍ଘ.

ଅବ୍ୟାପ୍ତି
ଶବ୍ଦ.

ଶ୍ଵର.	୧୫	ହେ. ମନ୍ତ୍ର. ଅଳାକୀୟି, ହେ. ମନ୍ତ୍ର. ଅଲ୍ଲେଖ୍ ସାନନ୍ଦରୂପୀ,	୧
ତାର.	୧୬	ହେ. ମନ୍ତ୍ର. ସତ୍ତିବାନ୍ଦ୍ୟୀ, ହେ. ମନ୍ତ୍ର. ଅନୀବିତୋ- ଦ୍ୟୁତ୍ସିତ.	୨
ଶାତ୍.	୧୭	ଲିନ୍. ମ. ଅଲ୍ଲେଖ୍. ଲଙ୍ଘ. ପାତ୍ର. ହୃଦୟ ପାତ୍ରିନିଃ.	୩
କ୍ଷୁଣ୍ଣ.	୧୮	ହେ. କୁରିଲ୍ଲେ ନେରିଜୁବାଲ. ଲିନ୍. ମ. କୁରିଲ୍ଲେ ଉଠିଦ୍ୟୁମ୍ଭେ.	୪
ନାନ୍ଦ.	୧୯	ହେ. କରିବାନ୍ଦ୍ୟୀ, ଦାରିବାନ୍ଦ୍ୟୀ ହୃଦୟ ପାତ୍ରିନିଃ	୫
ସାମ୍ଭ.	୨୦	ଲିନ୍. ମ. ନୀରାନ୍ଦ ବ୍ୟାହରିଗ୍ରେ ଦା ତାତ୍କରିବୀଶି.	୬
ନାନ୍ଦ.	୨୧	ଲିନ୍. ମନ୍ତ୍ର. ନାନ୍ଦ ଦ୍ୱାବିକାନ୍ତ. ହେ. କୁରିଲ୍ଲେ ଏବି. ଲିନ୍. ମ. ନାନ୍ଦିନୀ.	୭
ଶ୍ଵର.	୨୨	ହେ. ମନ୍ତ୍ର. ବାନ୍ଦୀଲୀନ୍ଦୀ	୮
ତାର.	୨୩	ହେ. ଶିଖ୍, ବନ୍ଦୀନ୍ଦୀ ଦା ଶିଖ୍, ଲିନ୍ଦୀନ୍ଦୀ	୯
ଶାତ୍.	୨୪	ଲିନ୍. ମ. ଆରତ୍ରେମନ୍, ନାନ୍ଦ. ଦା ଭୁକ୍ତରିନିଃ.	୧୦
କ୍ଷ. +	୨୫	ଶାର୍ଵେଦା ପ୍ରାଣ. ହେମିଦ. ଲ୍ଲେନ୍-ମନ୍ଦିରି.	୧୧
ନାନ୍ଦ.	୨୬	କ୍ଷର୍ମଦା ପାଦିନ୍ଦୀଯେଲ. ମନ୍ତ୍ରାବାନ୍ଦ ହୃଦୟଲିଙ୍କିନ୍ଦୀ.	୧୨
ସାମ୍ଭ.	୨୭	ମନ୍ତ୍ର. ମନ୍ତ୍ରିନ୍ଦୀ-ତ୍ୟାଗାଲ୍ଲିନ୍ଦୀନ୍ଦୀକ୍ଷେତ୍ରିନ୍ଦୀ	୧୩
ନାନ୍ଦ.	୨୮	ଲିନ୍. ମ. ନିଲାରିନ୍ଦୀ ଦା ବ୍ୟାହରିନ୍ଦୀ.	୧୪
ଶ୍ଵର.	୨୯	ଲିନ୍. ମ. ମାନ୍ଦୁରିନ୍ଦୀ ପିଣ୍ଡିନ୍ଦୀ ଦା ନାନ୍ଦ ଶବ୍ଦ.	୧୫
ତାର.	୩୦	ଲିନ୍. ମନ୍ତ୍ରିନ୍ଦୀ-ତ୍ୟାଗିନ୍ଦୀ ଅନ୍ତର୍ମିଶ୍ରିନ୍ଦୀନ୍ଦୀନ୍ଦୀ, ହେ. ଶିଖ୍ ଶିଖେଶି.	୧୬
ଶାତ୍.	୩୧	ମନ୍ତ୍ର. ନାନ୍ଦିନ୍ଦୀ ପାଦିନ୍ଦୀ ମାନ୍ଦୀ. ମନ୍ତ୍ର. ପିଙ୍କାନ୍ଦୀ ଦାଵିଦିନ୍ଦୀନ୍ଦୀନ୍ଦୀନ୍ଦୀନ୍ଦୀନ୍ଦୀ.	୧୭

ଅକ୍ଟରୀ ଲେଖ 30 ଦିନୀ.

ଆବ.
ମତ୍ରୀ.

ପ୍ର. †	1	ଶ୍ରେଷ୍ଠଙ୍କ ଉତ୍ସବରୀତି, ଗୋରୁରୀତିରୀତି, ମାହିତି- ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଚୟ, ମାହିତିରୀତି ଏକାକିମ୍ବେଶି.	18
ଲାଲଶ.	2	ଲାଲ. ମ. ପ୍ରଦୀପ୍ କାର୍ତ୍ତିକୀୟ, ମନ୍ଦିର. ପାଳିକାର୍ତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ର.	19
ଶାଶ୍ଵତ.	3	ଲାଲ. ମ. ବ୍ରଜିତପାତ୍ର, ମନ୍ଦିର. ପାଳିକାର୍ତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ର.	20
ପାତକ.	4	ଲାଲ. ମ. ବ୍ରଜିତପାତ୍ର, ଶର୍ମିଷ୍ଠିତ, ଲାଲ. ପାଲିକାର୍ତ୍ତିକ୍ଷେତ୍ର.	21
ଶ୍ରୀତତ.	5	ମନ୍ଦିର. ଲାଲତାକାଳେଶ୍ଵର ତେଜପାତାରାଜୁରୀତି ମାହି- ତିରୀତିରୀତି. (ଲାଲତାକାଳେଶ୍ଵରମାତ୍ରାତି).	22
ପାର.	6	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	23
ଶାଶ୍ଵ.	7	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	24
ପ୍ର. †	8	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	25
ଲାଲ. †	9	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	26
ଶାଶ୍ଵ. †	10	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି. ତେଜପାତାରାଜୁରୀତି ମାହିତିରୀତି.	27
ପାତକ.	11	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	28
ଶ୍ରୀତ.	12	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	29
ପାର.	13	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	30
ଶିଶ୍ରୀ.	14	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	1
ପ୍ରୀତ.	15	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	2
ଲାଲଶ.	16	ମନ୍ଦିର. ପାରାଶିକ୍ରୀତ ପ୍ରକାଶକ୍ରମରୀତି ମାହିତିରୀତି.	3

ప్ర ణ లు	ప్ర ణ లు	అ క్రింది 30 ల లే.	అ.బ. ఘత్య.
సార్థ.	17	శ్రీ. స్విమెన్‌బిసా రా. మ. ఎలాపిల్, క్వాకోల్డా చింబిసిమ్మెసి.	4
ఉత్త.	18	లిల. వింటాన్‌బ్రిడ్జ్ ఫ్రెసమాసి, మంట. బిల్‌త్రూప్ స్వెబార్హింగ్‌బ్రెల్లిసి.	5
బ్రిత.	19	లిల. మ. వింటాన్‌బ్రిడ్జ్, గింటాన్‌బ్రిడ్జ్ రూట్‌ట్రైన్‌బిసా.	6
పార.	20	లిల. మ. ట్యూషన్‌ట్రోల్యూచాన్‌స్ట్రోసి రూట్‌గ్రామ్‌బిసా అన్‌ట్రిప్‌సి.	7
షాఖ.	21	శ్రీ. మంట. ట్యూషన్‌ట్రోల్యూసి, రా. శ్రీ. మాజీసి-మ్మెసి.	8
క్వార.	22	శ్రీ. మంట. క్లామిట్‌ట్రిసి, ల్యూక్యాసి. రూట్‌ట్రైన్‌బిసి.	9
టార్.†	23	శ్రీ. మంట. గింటాన్‌బ్రిడ్జ్, మిసిసిప్‌బిసా, మంట. డ్యూట్‌ప్రొఫ్సిస్‌బ్రింగ్‌బిసి.	10
సార్థ.	24	మంట. సాబా స్క్రీనాట్‌టిల్లాటిసి.	11
ఉత.	25	మంప్ర. రూట్ మాసార్‌బ్రెల్లిసి మార్క్‌ట్‌బిప్పా.	12
బ్రిత.	26	శ్రీ. మంట. వాసిల్లిసి, శ్రీ. స్క్రీట్‌పాన్‌బిసి.	13
పార.	27	శ్రీ. మంప్ర. మంట. స్విమెంట్‌బిసి, నాట్‌ఎసావ్‌బ్రుల్లిసి.	14
షాఖ.	28	మంట. చిన్‌మ్మ, చ్యాస్‌ప్రో రూట్ సెంప. శ్రీ. క్రిస్‌బిల్‌బిసి.	15
క్వార.	29	శ్రీ. 9 మంట. క్రించిప్రెశి లిల. మామ. మ్మిన్‌బిసి.	16
టార్.‡	30	మంప్ర. వాగ్‌బిసి, శ్రీ. భ్రాంట్‌బ్రెంట్‌బిసి.	17

ମିତ୍ର ପିଲାଙ୍କା 31 ରେ ହୁଏ

வெள்ள.	நாள்	திதி	பகுதி	முறை
சு.மி.	1	நிலக்ரஷ்ண சூரியன் விடை முறை குழுங்கள்	18	முறை.
ஒன்று.	2	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	19	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
நூத.	3	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	20	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
பார.	4	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	21	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
முத்து.	5	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	22	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
புதிர்.	6	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	23	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
ஒர.தி.	7	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	24	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
ஒ.	8	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	25	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
சுமி.	9	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	26	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
ஒன்று.	10	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	27	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
பார.	11	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	28	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
முத்து.	12	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	29	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
புதிர்.	13	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	30	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
ஒர.தி.	14	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	31	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
ஒ.	15	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்	32	நிலக்ரஷ்ண விடை முறை குழுங்கள்
சு.மி.				

		ବିଭାଗ	ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦିନ	ମହିନେ	ବିଶ୍ଵାସ କାର୍ଯ୍ୟ
ଅନ୍ତଃ.	16	ଲୋକ. ତ୍ରୈତାନିକୀଳ ଏତିରୁପାଇଛା।			4
ଶତ. †	17	ଅମାଲାଙ୍ଗରେ ଉତ୍ସର୍ଗିତିରେ ଦେଖିଥିଲା ମନ୍ଦିର ଅନ୍ତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା ଦା ଶତ୍ରୁଜାନ୍ମରିତିରେ		ମାତ୍ରା	5
ଅନ୍ତଃ.	18	ମନ୍ଦିର. ତ୍ରୈତାନିକୀଳ ରାତ୍ରିରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା ଦା ରାତ୍ରିରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			6
ଶତ.	19	ଲୋକ. ମାତ୍ର. ପୁରାନିଲ୍ଲେଖ, ଘନତିକ୍ରିୟ ଦା ଅନ୍ତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା ଦା ଅନ୍ତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			7
ଅନ୍ତଃ.	20	ମନ୍ଦିର. କିନ୍ତୁ ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ମନ୍ଦିର ଅନ୍ତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			8
ଅନ୍ତଃ.	21	ମନ୍ଦିର. ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ମନ୍ଦିର ଅନ୍ତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			9
ଅନ୍ତଃ.	22	ମନ୍ଦିର. ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ମନ୍ଦିର ଅନ୍ତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			10
ଅନ୍ତଃ.	23	ଲୋକ. ମନ୍ଦିରରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			11
ଅନ୍ତଃ.	24	ଲୋକ. କାର୍ଯ୍ୟ. ପରିମଳାରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			12
ଅନ୍ତଃ.	25	ମେସାମ୍ରିତରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			13
ଅନ୍ତଃ. †	26	ଲୋକ. ଏତିରୁପାଇଛା ଦେଖିଲାନିବିଶା ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			14
ଅନ୍ତଃ.	27	ଲୋକ. ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			15
ଅନ୍ତଃ.	28	ଲୋକ. ମନ୍ଦିରରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା, ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			16
ଅନ୍ତଃ.	29	ମନ୍ଦିର. ତ୍ରୈତାନିକୀଳ ଦେଖିଲାନିବିଶା			17
ଅନ୍ତଃ.	30	ଲୋକ. ମାତ୍ର. ନିଷାକ୍ରମିତି ଦେଖିଲାନିବିଶା			18
ଅନ୍ତଃ.	31	ମନ୍ଦିର. ଏତିରୁପାଇଛା ମନ୍ଦିର. ଏତିରୁପାଇଛା ମଧ୍ୟରେ ଦେଖିଲାନିବିଶା			19

• 636 080 30 a 3 0.

ପାଠ.	୧	ଯିନିଟି କୌଣସି ତୁମ ଏହା କୁଳକୁ ବାର୍ଦ୍ଦରିବାରେ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	20
ଶାତ.	୨	ଫି. ନିଜିତ୍ୱରାରେ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	21
ପ୍ରାଚୀ.	୩	ଫି. ମନ୍ତ୍ରି ଲକ୍ଷ୍ମୀଜାନ୍ମରେ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	22
ଅଧ୍ୟ.	୪	ଫି. ମନ୍ତ୍ରି କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	23
ସମାପ୍ତି	୫	ଫି. ମନ୍ତ୍ରି କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	24
ଅତ୍ୟ.	୬	ଲକ୍ଷ୍ମୀ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	25
ବ୍ୟୋଧ.	୭	ମନ୍ତ୍ରି କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	26
ପାଠ.	୮	ଅଧିକାରୀ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ ଫି. ଏହାରେ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	27
ଶାତ.	୯	ଲକ୍ଷ୍ମୀ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	28
ପ୍ରାଚୀ.	୧୦	ଫି. ମନ୍ତ୍ରି କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	29
ଅଧ୍ୟ.	୧୧	ଫି. ମନ୍ତ୍ରି କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	30
ସାମଗ୍ରୀ.	୧୨	ଲକ୍ଷ୍ମୀ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	2
ଅତ୍ୟ.	୧୩	ଫି. କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	3
ବ୍ୟୋଧ.	୧୪	ଫିନାର୍ଥିନ-ମିଶ୍ର. କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	4
ପାଠ.	୧୫	ଫିନାର୍ଥିନ-ମିଶ୍ର. କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ କୁଳକୁ	5
୦୫			୦୬

	କେବଳ ମହିନେ	ପରିମାଣ	ପରିମାଣ	ପରିମାଣ
ଶାହୀ	16	ମହିନେ କୁଟୋରିଲିଲେ, ଅଛିନ୍ତି କୁମାରପାଦିଲା।	6	ଏବଂ
ପ୍ରେଇ.	17	ମହିନେ, ମାନ୍ୟୁଲିଲିଲା, ସାଧିତିଲିଲିଲା ଲୋ ଲୋ-	7	ମହିନେ
କ୍ଷେତ୍ର	18	ମହିନେ, ଅନ୍ତରିକ୍ଷିଲିଲା, କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	8	ଏବଂ
କ୍ଷେତ୍ର	19	ମହିନେ-କୁମାରକୁ କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	9	ମହିନେ
		କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର		
କଥା	20	ମହିନେ ମେତାକୁମାର ମହିନେ କୁମାର କୁମାର କୁମାର	10	ଏବଂ
କଥା	21	ମହିନେ-କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	11	ଏବଂ
କଥା	22	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	12	ଏବଂ
ଶାହୀ	23	ମହିନେ, କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	13	ଏବଂ
କ୍ଷେତ୍ର	24	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	14	ଏବଂ
କଥା	25	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	15	ଏବଂ
କଥା	26	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	16	ଏବଂ
କଥା	27	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	17	ଏବଂ
କୁମାର	28	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	18	ଏବଂ
କଥା	29	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	19	ଏବଂ
ଶାହୀ	30	କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର କୁମାର	20	

ఎత్తాలకు నుండి 31 ల వర్గము.

పట్ట.	పట్ట.	పట్ట.	పట్ట.
ప్రశ్న.	1.	చీటిపుర్వులు ఉపాధికిల్సిని. క్రొణిమా ర్వాహనా బాంగుసి.	21
అధిక.	2.	భక్తిప్రాయాగ్రహమిస్తిని వెంచుస్తిల్లిసి యుని గ్రంథము చీటిపుర్వులు - దిష్టింగ్స్.	22
సాధ.	3.	చీటి, ఇంచు. రాజుకుండ. కెంతులు. శాస్త్ర. నీఱు.	23
ఒకస.	4.	చీటి. నెడల్సు. ప్రాగుత్యాల్యుసా ల. వాగితిసి.	24
కెం. +	5.	ల. మి. తానుస్యుద్ధి. ప్రావ్ర్ణు. నెట్రింగ్లిసి.	25
పాఠ.	6.	చీటి. మ్యూసిసిసి, వింటింసిన త్రింకుసమిలించి వాసిల్లిసి మింటిప్రావ్లోర్బు.	26
శాఖ.	7.	ధిని. మింటిత్తుకుప్రాయిసినర్లు ప్రాయికులుసి.	27
కృ. శి.	8.	ప్రాయికులు. ప్రెరింప్రాయిసిశ్చ యాకి. లైట్ రిప్పు.	28
ఒకస.	9.	చీటిమింటి. అన్త ప్రాయికులుప్రాయికుల్లో లక్షణాలు త్వరితముగా వున్నాయి.	29
సాధ.	10.	ప్రాయికులుప్రాయిల్సి. చెపొసుల్సిసి. ప్రాయికుల్లో.	30
ఒకస.	11.	ప్రాయి. మింటి. ప్రాయిమింటి చీటి లింగిసి మింటి అల్ఫాసి.	31
కెం. +	12.	మింటి. ప్రెరింప్రాయిసి, ధిని. మింటింప్రాయి లాగా బాధించి వున్ని విషాది విషాది విషాది విషాది.	1
పాఠ.	13.	ప్రాయిదా చీటి. శిత్యా. అంగ్రేషు. నీపుల్లింపుల్లిసి.	2
శాఖ.	14.	మింటి. ప్రాయిల్సి. ల. మి. అన్తిమ్యుసి.	3
కృశి.	15.	మింటి. ప్రెరింప్రాయి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి.	54
ఒకస.	16.	చీటిమింటి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి. ప్రాయిల్సి.	5

ପ୍ରକଳ୍ପ ଓ ପ୍ରସାଦ ଏ.	
ସାମନ୍ତରୀୟ	17. ଲୋକ ଏବଂ ଜୀବିତରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ. ଲାଭାର୍ଥୀସି.
ଅନ୍ତରୀୟ	18. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ପ୍ରକଳ୍ପରେ ଲାଭାର୍ଥୀରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ ମରାଜୀଙ୍କ ଏବଂ ଆଶ୍ରମରୁଷକ.
ବ୍ୟାପକ	19. ଲାଭାର୍ଥୀ ଏବଂ ପ୍ରକଳ୍ପରେ ମନ୍ଦିରରୁ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ ଏବଂ କାମିକାରୀ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରୁ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ପାଠୀ	20. ପ୍ରକଳ୍ପ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ ଏବଂ କାମିକାରୀ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରୁ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ଶ୍ଵାସ	21. ପ୍ରକଳ୍ପରେ କାମିକାରୀ ଏବଂ କାମିକାରୀ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରୁ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ପାଠୀ	22. ପ୍ରକଳ୍ପ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ଅନ୍ତରୀୟ	23. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ପ୍ରକଳ୍ପରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ସାମନ୍ତରୀୟ	24. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ ଏବଂ ଗଲ୍ଲାବିଶା.
ଅନ୍ତରୀୟ	25. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ବ୍ୟାପକ	26. ପ୍ରକଳ୍ପ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ ଏବଂ କାମିକାରୀ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ପାଠୀ	27. ଲାଭାର୍ଥୀ ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ଶ୍ଵାସ	28. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ପାଠୀ	29. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ଅନ୍ତରୀୟ	30. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.
ସାମନ୍ତରୀୟ	31. ମନ୍ଦିର ଏବଂ ମନ୍ଦିରରେ ଲାଭ କରିବାରେ କଲେଶିଯାଏନ୍ତିରୁଷକ ନାହିଁ.

କ୍ର.	ପତ୍ର	ବିଷୟ	ପାଇଁ ପରିଚୟ
୧	୧	ମେମିରିଶ୍ଵାତ୍ମକ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରକାଶିତ ଖାଲି ପାଇଁ ପରିଚୟ	21
୨	୨	ମହାକାଶକୁ ପ୍ରଦାନ କରିବାର ପରିଚୟ	22
୩	୩	ଅଳିମାୟାନ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ପରିଚୟ	23
୪	୪	ଜୀବିତରେ ପରିଚୟ	24
୫	୫	ମନ୍ଦିରରେ ପରିଚୟ	25
୬	୬	ଯୋଗରୀୟ ପରିଚୟ	26
୭	୭	ଲକ୍ଷ୍ମୀନାରାୟଣ ପରିଚୟ	27
୮	୮	କୃତ୍ୟାନ୍ତରେ ପରିଚୟ	28
୯	୯	ମନ୍ଦିରରେ ପରିଚୟ	29
୧୦	୧୦	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	30
୧୧	୧୧	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	31
୧୨	୧୨	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	32
୧୩	୧୩	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	2
୧୪	୧୪	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	3
୧୫	୧୫	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	4
୧୬	୧୬	ମନ୍ଦିର ପରିଚୟ	5

		ବ୍ୟାକ	ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିଚୟ	ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିଚୟ	ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ପରିଚୟ
୩୫.	୧୮	ମନ୍ତ୍ରୀ ମିଳିନ୍ଦିପଦିଲିତକୁ ରୂପେତର୍ବନ୍ଦୀ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ଶାତ.	୧୯	ମନ୍ତ୍ରୀ ଉତ୍ସନ୍ନିତିରେ ରୂପେତର୍ବନ୍ଦୀ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
୨୦	୨୦	ମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରିୟଲ୍ଲଭାନ୍ତରୁକୁ ଗରୁଣ୍ଯମହାବ୍ରତି	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପ୍ରୀତି.	୨୧	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ଜାତି.	୨୨	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୩	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୪	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୫	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୬	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୭	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୮	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୨୯	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୩୦	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ
ପାତ୍ର.	୩୧	ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଦରିଦ୍ରାଙ୍ଗମାନାତ୍ମିକିଲାଭକୁ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ	ଶବ୍ଦ

పు. శ్ల.	పు. శ్ల.	స్వేచ్ఛ ప్రేషణ వ్యాపార లేకు.	అం.
శాయ.	1	లింగ. మాట. స్విట్జర్లాండ్ మేస్ట్రేత్రిస్ట్ లూ. మా- తాసి. మాట. గ్రెండ్ మెండ్రోస్.	22
క్రింగ్.	2	మాట. మామాన్ క్రిస్టా. లింగ. మాట. మాట. మేస్ట్రో.	23
ఐటి.	3	మాట. మాట. ఎంతిమిస్టా. లూంగ్ మామి. తెం- ప్రెక్సిస్ట్రెసి. మాట. గ్రెండ్ మెండ్రోసిసా.	24
సామి.	4	మాట. మాట. బాబిలొన్సిసా. మాట. మాట. మేత్తుష్టి. మాట. మాట. తెంప్లమెండ్రోసిసి.	25
ఒత్త.	5	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	26
బ్రూట.	6	బ్రెస్ట్రోఫ్. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	27
పార.	7	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	28
శాయ. +	8	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	1
క్రి. +	9	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	2
ఒర్మ.	10	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	3
సామి.	11	లింగ. లి. తెంప్లమెండ్రోసి. మాట. లింగ.- మాట. లి. లి. మాట. మాట. మాట. మాట.	4
ఒత్త.	12	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	5
బ్రూట.	13	క్రూరిత్కేవా రూధి. క్రూరితి. మాట. క్రూరిత్కేవా మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	6
పార.	14	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	7
శాయ.	15	మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట. మాట.	8

ପ୍ରକାଶ ନଂ	ପତ୍ର ନଂ	କ୍ଷେତ୍ର ପତ୍ର ନଂ ୩୦ ଲଙ୍ଘ.	ଅବସଥା
ପ୍ରକାଶ.	16	ଫି. ମନ୍ତ୍ର. ଅଧିକାରୀ ଏତ୍ତେମିବାକିର. ମନ୍ତ୍ର ଭ. ସାବାସତ୍ରୀନ୍ଦ୍ର. ଓ ଲୋଳମିଲ୍ଲାସି.	9
ପାଠୀ.	17	ଫି. ମନ୍ତ୍ର. ଭ. ପିଲାତ୍ରୀ. ଏଲ୍ଲକ୍ଷଣି ଓ, ଅଲ୍ଲ. ପିଲାତ୍ରୀ ଓ ଲେଲ. ମାତିଲା କେତୀବାକିର.	10
ପାଠୀ.	18	ଫି. ମନ୍ତ୍ର. କ୍ଷେତ୍ରନା. ଏଲ୍ଲିଖିତ. ଓ ମିଲ୍ଲାବାସି. (ଜାର. ଏତ୍ତ.)	11
ପାଠୀ.	19	ମନ୍ତ୍ର. କ୍ରିତ୍ତମାନିମ୍ବ. ଓ ଲୋଳିମ୍ବିନ୍ଦୁଲାଲି.	12
ପାଠୀ.	20	ଲିଲ. ମନ୍ତ୍ର. ଏତ୍ତୁତାତିଲା ମନ୍ତ୍ର. ମନ୍ତ୍ରାମାର. ମନ୍ତ୍ରାମାରିଲାଲା ଶାହିନିନ, ଟ୍ରେନିଗର.	13
ପାଠୀ.	21	ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାତ୍ରୀଶ୍ଵର. ଫି. ଲିମିକ୍ରିତ୍ତାଲା, ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ମରିନାମାନିଲ.	14
ପାଠୀ	22	ଫି. ମନ୍ତ୍ର. ଝାନ୍ତାଶି ଲିଲ. ଭ. ନିରାନିଲା ଲିଲ. ମାର. ଟ୍ରେନିଗରିଶି.	15
ପାଠୀ.	23	ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ଫି. ନିରାନିଲାଶ ଏତ୍ତ. ଲିଲ. ଭ. ଟ୍ରେନିଗରି ଓ ଭ. ନିରାନିଲାଶ ଲିଲ. ଏତ୍ତିନାମିଲାଶି.	16
ପାଠୀ.	24	ଲିଲାଶି ଏତ୍ତିନାମିଲାଶି.	17
ପାଠୀ.	25	ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ଫି. ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶି.	18
ପାଠୀ.	26	ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ଫି. ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶି.	19
ପାଠୀ.	27	ମନ୍ତ୍ରାମାର. କ୍ଷେତ୍ରନାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶି.	20
ପାଠୀ.	28	ଲିଲ. ମାର. କାହିନିତାନ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶି.	21
ପାଠୀ.	29	ଲିଲ. ମ. କ୍ରୀଣିରାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶି.	22
ପାଠୀ.	30	ଫି. ମିଲ୍ଲାବାକ୍ଷେତ୍ରନାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶ ଏତ୍ତିନାମିଲାଶି.	23

ନଂ.	ପତ୍ର	ବିଷୟ ଅଧିକାର ଓ ପରିଚୟ	ଅନ୍ତର୍ଭାବ
ଅନ୍ତର୍ଭାବ	1	ଦାତ୍ୟାର୍ଯ୍ୟା ପୁଣ୍ୟଲ୍ଲାଭ ଫିର. ଲ୍ୟାଟିସ୍‌ମିଶନ୍ସ ଲିମା. ଲିନ୍. ହାଇମାନ୍‌ସିଲ୍.	24
ବିଷୟ	2	ଫିର. ମନ୍ତ୍ରୀ. ପ୍ରେସରିକାନ. ଫିର୍. ଡ. ଅଲ୍ପଶ୍ରିନ. ଦାଵିତ ଦା ପ୍ରାସର୍ତ୍ତାନ୍ତର. (ପ. ୧୩୫.)	25
ଅନ୍ତର୍ଭାବ	3	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଫ୍ରିଙ୍କିଲ୍‌ମ୍ୱେଲ୍‌ଏସି. ଏର୍ଯ୍ୟାକିନ୍ଫିଲ୍‌ସି.	26
ବିଷୟ	4	ଫିର. ମନ୍ତ୍ରୀ. ଇର୍ରେଟ୍‌ର୍ମ୍ୱେଲ୍‌ଏସି. ଫିର. ଗୁରୁନାଥା.	27
ବିଷୟ	5	ଫିର. ମନ୍ତ୍ରୀ. ବାରିଗ୍ରାନ୍‌ସିଲ୍. ଫିର. ପ୍ରେତିର୍ଯ୍ୟ, ଅଲ୍ଲେଜ୍‌ସି ଦା ଇନ୍‌ଡନ୍‌ବିଲ୍.	28
ବିଷୟ	6	ମନ୍ତ୍ରୀ. ତାମାସି, ଲ. କି. ଆଶ୍ରିତା ଲୁହ ମାତ୍ରେସି.	29
ବିଷୟ	7	ଫିର. ମନ୍ତ୍ରୀ. ବ୍ୟାଗ୍ରମିଲ୍‌ବିଲ୍‌ଏସି. ପ୍ରେତିର୍ଯ୍ୟ	30
ଅନ୍ତର୍ଭାବ	8	ଲିନ୍. ଅଲ୍ଲେଜ୍‌ସି ପ୍ରେଲାଗିକାଫିକ୍‌ଟ୍ରାନ୍‌ସିଲ୍‌ଏସି.	31
ବିଷୟ	9	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଯାମାର୍କ ଅଲ୍ଲେଜ୍‌ଗ୍ଲେବିଲ୍‌ଏସି. ଲିନ୍. ପାରି. ଅଲ୍ଲେଜ୍‌ଗ୍ଲେବିଲ୍‌ଏସି ଦା ଅତକନ୍‌ବ୍ୟୋମିକ ଦା ଅତକନ୍‌ବ୍ୟୋମିକ ଏସି.	2
ଅନ୍ତର୍ଭାବ	10	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଏଲାମିନ ଦା ଏଲାମିନ କ୍ଲିନିକ୍‌ଏସି. ଲିନ୍. ମାରି. ଏକାନ୍ତିକିଲ୍‌ସି.	3
ବିଷୟ	11	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଫ୍ରିଲିନ୍‌ପ୍ରେସି. ମନ୍ତ୍ରୀ. କିନ୍‌କ୍ଲିନିକ୍‌ଏସି. ଲୁହ ଫ୍ରିଲିନ୍‌ଏସିଲ୍‌ଏସି.	4
ବିଷୟ	12	ଅଲମାନ୍‌ପ୍ରିନ୍‌ଟାର୍. ଫିର. ଗ୍ରୋନ୍‌ଏ କାତଳ୍. ପ୍ରେମଲ୍.	5
ବିଷୟ	13	ମନ୍ତ୍ରୀ. କାରିଗି, ବ୍ରେନ୍‌ସମିନ୍‌ବିଲ୍‌ଏସି. ଫ୍ରିଲିନ୍‌ଗ୍ରେନ୍‌ଟାର୍.	6
ବିଷୟ	14	ମନ୍ତ୍ରୀ. ନାତାରାଜ୍‌ବିଲ୍‌ଏସି. ଗ୍ରେନ୍‌ବ୍ୟୋମିନ୍‌ବିଲ୍‌ଏସି. ଲିନ୍. ଲ୍ୟେଲ୍. ବାରାସିକ୍‌ର୍ଯ୍ୟାବିଲ୍‌ଏସି.	7
ଅନ୍ତର୍ଭାବ	15	ଲିନ୍‌ଏସି. ପ୍ରେତିର୍ଯ୍ୟାବିଲ୍‌ଏସି. ଫିର୍. ଲିନ୍‌ଏସି.	8
ବିଷୟ	16	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଲ୍ୟାନ୍‌କାନ୍‌ଟାର୍ମିନ୍‌ଏସି. ପ୍ରେତିର୍ଯ୍ୟାବିଲ୍‌ଏସି.	9
ଅନ୍ତର୍ଭାବ	17	ଫିର୍. ଏସି. ପ୍ରେତିର୍ଯ୍ୟାବିଲ୍‌ଏସି. ପିନ୍‌ଲାର୍କିନ୍‌ଏସି.	10

ప్ర.	ప్ర.	కృతికు మర్యాదల విభాగం	అం.
శ్రీ.	18	మంత్రప్రస్తావంలో విషాదాన్గమించే లోపించుటకు బాధ. లొని. మిథిష్ఠాంశుగాంగిలోను. ఏంచు	11
పాఠ్య.	19	చిన్హాసస్తారు. మ్యాట్రిక్స్ కెష్టిల్లిస్ ను. లభించి మిథి: సొంగ్ ఎస్, న్యూస్ట్రోమ్ లో రాయిల్	12
శాస్త.	20	డిల్. మంట్. అంత్యమించు. ఏంచు లో ఫ్రెంచు ల్యుస్. ఏంచు	13
క్రింద.	21	లొని. మామ. సొంగ్ రింగ్ డిల్ గిప్స లో విషాది రింగ్ మ్యాట్రిక్స్ ల్యుస్.	14
ఉఖ.	22	డ్రైసాస్టామ్పల్ కూ. ప్రోట్రోల్ లో చిమిండిస్, ఏంచు ల్యుటిస్-మెంబ్లియిస్.	15
సామ్మ.	23	మంప. సామ్మానిస్, డా. ఏగ్నాత్ర్యుస్.	16
ఉత్క.	24	మంట్ ఎర్స్టాస్, ప్రోట్రోల్ స్టామ్పల్ కూ చ్చిల్. ల్యుటిస్-మెంబ్లియిస్.	17
క్షుగ.	25	మంట్. మార్కుయానిస్, మిమార్కుస్టామ్పిస్, కూ అనా- స్ట్రాసిస్.	18
పాఠ్.	26	డిల్. మంట్. ల్యిమింట్రోస్, కూ మిశ్రిం- స్టోస్.	19
శాస్త.	27	మంట్. న్యూస్క్రం కూ శాంక్రమిషిస్. మంట్. క్రిపిట్రోల్లినిస్.	20
క్రింద.	28	లొని. మంట్. ట్రైన్స్క్రిటిస్, మంట్. కెర్రా- న్చీక్రెప్సిస్.	21
ఉఖి.	29	లొని. మంట్. అన్కస్ట్రోసిస్, ఏంచు. కెర్రా- సిమిస్.	22
సామ్మ.	30	చి. మంట్. చింపించుయిస్, కూ ఏగ్విట్రూపిస్టిస్.	23
ఉత్క.	31	మంప్రియ్. క్రొఫ్టిక్స్, కూ కెప్పెల్లోస్, లొని. మిథి. ప్రైస్టాండ్రోట్. కూ మాగ్రమిస్.	24
01			

କ୍ରମି.	ପ୍ରଶ୍ନ	ଉତ୍ତର	ପରିମାଣ
୧	କୌଣସି କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	25
୨	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	26
୩	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	27
୪	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	28
୫	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	29
୬	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	30
୭	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	31
୮	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	32
୯	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	33
୧୦	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	34
୧୧	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	35
୧୨	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	36
୧୩	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	37
୧୪	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	38
୧୫	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	କୁଳାଳିକା ଲାଭ କାହାରେ ହେବା ?	39

କ୍ର.	ଶବ୍ଦ	ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପରିଚୟ	ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପରିଚୟ
ପାଞ୍ଚ	16	ମୋହୁ. ଲା ମାନ୍ଦାର୍ଯ୍ୟେଲ୍ସିଙ୍କ, ମାତ୍ରେଣ୍ଟ୍ ଲ୍ରୀ କ୍ୟେର୍ଗ୍ୟେସ୍ଡ୍ୱେ	12
ପାଞ୍ଚ	17	ଫି. ଗ୍ରେଗୋରୀନ୍ସ୍ଟ୍ରେଚନ୍‌ଜୁସାର, ଫି. ଗ୍ରେଗୋରୀନ୍ସ୍ଟ୍ରେଚନ୍‌ଜୁସାର	13
ପାଞ୍ଚ	18	ମୋହୁ. କ୍ଲୋର୍ନନ୍, ଏନ୍ଡମାନ୍‌ର୍କ୍ ଲା କ୍ଲୋର୍ନନ୍	14
ପାଞ୍ଚ	19	ଫିନ୍ ଏନ୍ଦ୍ର୍ ମେତ୍ର୍. ପାଥ୍ରେଲ୍ସିଙ୍କ, ବେଜ୍ବାରିଲ୍ଲାମିଙ୍କୁ ନିଷେଦ୍ଧିବିଷ୍ଟ ଲା ଏନ୍ଡମାନ୍‌ର୍କ୍ ନିଷେଦ୍ଧିବିଷ୍ଟ	15
ପାଞ୍ଚ	20	ଲୋକ. ମାର୍ଚ. ଗ୍ରେଗୋରୀନ୍, ଡ୍ୟୁକ୍‌ପାଲ୍‌ମ୍ୟୁଲ୍‌କ୍ଲିନ୍ୱୁ	16
ପାଞ୍ଚ	21	ପାଥ୍ରେଲ୍ସିଙ୍କ ମିଜ୍‌ଜାନ୍‌ର୍ବା ପ୍ରାକ୍ରିଲାଇସ ଫି. ଲ୍ୟାଟ.	17
ପାଞ୍ଚ	22	ମୋହୁ. ଫ୍ରିଲିନ୍‌ମିନ୍‌ବିଂକ୍, ମାର୍ଚ୍‌ମ୍ୟୁଲ୍‌କ୍ଲିନ୍ୱୁ	18
ପାଞ୍ଚ	23	ଫି. ମାମ୍ପ୍ରିଲ୍‌ମ୍ୟୁଲ୍‌କ୍ଲିନ୍ୱୁ	19
ପାଞ୍ଚ	24	ଲୋକ. ମାର୍ଚ. ପିପ୍‌ପିର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍, ଆସ୍‌ଗ୍ରେସ୍‌କ୍ଲିନ୍ୱୁ	20
ପାଞ୍ଚ	25	ଫି. ମାର୍ଚ. କ୍ଲାର୍‌ମେର୍କ୍ ଲା ପିପ୍‌ପିର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍-ସାନ୍‌ଫର. ଏନ୍‌କୋପ୍‌ବିସ୍‌କ୍ରିପ୍‌ଟିକ୍‌ଲ୍ୟୁଗ୍‌ବିଂକ୍	21
ପାଞ୍ଚ	26	ଲୋକ. ପାକ୍‌ରାମ. ଫି. ଏନ୍‌କୁମାର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍‌କ୍ଲିନ୍ୱୁ	22
ପାଞ୍ଚ	27	ମାର୍ଚ. ପାକ୍‌ରାମ. ଏନ୍‌କୁମାର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍, ଲୋକ. ମାର୍ଚ. କ୍ଲାର୍‌ମେର୍କ୍ ଲ୍ରୀ ଏନ୍‌କୁମାର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍	23
ପାଞ୍ଚ	28	ଲୋକ. ମାର୍ଚ. ପିପ୍‌ପିର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍, ମାର୍ଚ. ନିକିନ୍‌କାର୍‌ପିପ୍‌ପିର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍	24
ପାଞ୍ଚ	29	ମାର୍ଚ. କାରାଫିନ୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍ ଲା ଫ୍ରିଲିନ୍‌ମ୍ୟୁଲ୍‌କ୍ଲିନ୍ୱୁ	25
ପାଞ୍ଚ	30	ମାର୍ଚ. କାରାଫିନ୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍ ଲା ପିପ୍‌ପିର୍‌କିନ୍‌ବିଂକ୍	26

ଶ୍ଲେଷ	ପତ୍ର	ବ୍ୟାକ ପରିପ୍ରେକ୍ଷଣ ଅନୁଷ୍ଠାନ ପାଠ ଓ ଲାଗ୍	ଅନ୍ତେ	ମହୀୟ
ଶାଖ.	1	ଚିନନାର୍ଥୀ. ମେତ୍ର-ନଂଜୁମିଶା. ମନ୍ତ୍ର. ଅନ୍ତର୍ବାସି.	27	
ପ୍ର. ୧	2	ଚିନନାର୍ଥୀ. ଶ୍ରେଷ୍ଠୁ. କେବଳକୃତ୍ତିକିର୍ତ୍ତୁ ଲୋକ. ମାମ. ର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ୍ର ଚିଲ୍ଲକ୍ଷ୍ମେଲାଶା. (ଜାର. ପ୍ରକ.)	28	
ଲୋକ.	3	ଚିନନାର୍ଥୀ. ମେତ୍ରୁ. ଶର୍ମିତାକିଶ୍ରୀଲୋକ. ମାମ. ଲୋକବିଦ୍ୟା, ନିଷାନ୍ତ୍ୟକୁ ଲାଭ ତର୍ଯ୍ୟାନ୍ତ୍ୟକୁ ଲାଭ	29	
ସାମିତି.	4	ଲୋକ. ମ. ବାରଵାରାଶାନ୍ତିଲୋକା. ନିଷାନ୍ତ୍ୟକୁ ଲାଭ ଲୋକ.	30	
ଲୋକ.	5	ଲୋକ. ମାମ. ଶାର୍ଦ୍ଦାର୍ଥାନ୍ତମ୍ଭେନ ଲୋକିଶାକୁ ପ୍ରାଣିନା ଲାଭ ଶାକାରାନ୍ତିକୁ	1	
କୋତି +	6	ଚିନନାର୍ଥୀ. କୁରୁକୁଲାନ୍ତିଶାକୁ ପ୍ରାଣିନା ଲାଭ ମହାମ୍ଭେଦିକା, ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା, ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା.	2	
ପାର.	7	ଚିନନାର୍ଥୀ. ପଥିବିନ୍ଦୁଶା ମେତ୍ରିନ୍ଦୁଶା. ପତିକିପୁଣ୍ଡିକା. ଲୋକ. ମାମ.	3	
15		ଚିନନାର୍ଥୀ. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀ. ଶିର୍ଷାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା, ଶିର୍ଷାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା.		
ଶାଖ.	8	ଲୋକ. ମ. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀ, ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା.	4	
ପ୍ରାଣୀ.	9	ମୁହୁର୍ଲାଭ-ମୁହୁର୍ଲାଭ ଚିନନାର୍ଥୀ, ଲୋକ. ମାମ.	5	
ଲୋକ.	10	ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା ଲୋକ. ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା.	6	
ସାମିତି.	11	ଲୋକ. ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା ଲୋକ. ମିହାନ୍ତମ୍ଭେଦିକା.	7	
ଲୋକ.	12	ଚିନନାର୍ଥୀ. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ ଲୋକିଶା ଲୋକିଶା	8	
କୁତୁ.	13	ମନ୍ତ୍ର. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ ମନ୍ତ୍ର. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ	9	
ପାର.	14	ମନ୍ତ୍ର. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ, ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ ଲୋକ.	10	
କୁତୁ.	15	ଚିନନାର୍ଥୀ. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ. ଚିନନାର୍ଥୀ. ପାତ୍ରାକିଶ୍ରୀନାନ୍ଦିନୀ.	11	
ପ୍ରାଣୀ.	16	ଲୋକ. ମାମ. ଅନ୍ତର୍ବାସି, ମନ୍ତ୍ର. ନାନ୍ଦିନୀଶା.	12	

ଶ୍ରୀ	ପତ୍ର	ବ୍ୟାଙ୍ଗ ପଦମଦ୍ଵାରା ୩୧ ଜାନ୍ମ.	ଅବ୍ସାନ ପତ୍ର.
କର୍ମ. 17	ବିନାପଣ୍ଡି. ମେତୁ. ରାନ୍ଧୁଲୀପଣ୍ଡି. ବିନାନନ୍ଦା,	13	
୫୯	କାଳିରା ଦା. ମିଶାଇଲିସା.		
ସାମନ୍ତ. 18	ବି. ମନ୍ତ୍ରୀ. ଶ୍ରୀଧାସତ୍ରିଷ୍ଠାନ୍. ଚିତ୍ତ ମେଲ୍ଲୁପଣ୍ଡିତାନ୍.	14	
ଜନତ. 19	ମନ୍ତ୍ରୀ. ପିନ୍ଧିରାଜୁନ୍ ତ୍ରୈ. ତାଲିତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହିର୍	15	
କ୍ଷୁତ. 20	ବି. ମନ୍ତ୍ରୀ. ଉଗନ୍ଧାତ୍ରୀ. ଲକ୍ଷ୍ମୀରତ୍ନ-ଶ୍ରୀମନ୍ଦିଲିସା.	16	
ତଥା. 21	ମନ୍ତ୍ରୀ. କୁଳାଚନ୍ଦ୍ରପଣ୍ଡିତ.	17	
ଶାତ. 22	ବିନାପଣ୍ଡି. ମନ୍ତ୍ରୀ. ବନ୍ଦିଶ୍ରୀକାନ୍ତାଶିଖି ଲା ତ୍ରୈତାଲୁତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହିର୍	18	
ପ୍ରାଚ. 23	ବି. ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡି. ତ୍ରୈତାଲୁତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହି. ଲାହି.	19	
	ମାତ୍ର ତାଲୁତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହି ଦା ନିକୁତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହି		
ଜନତ. 24	ଲକ୍ଷ୍ମୀ. ମନ୍ତ୍ରୀ. ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡି ଦା ରାନ୍ଧୁଲୀପଣ୍ଡି.	20	
ସାମନ୍ତ. † 25	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଶ୍ରୀଧାସତ୍ରିଷ୍ଠାନ୍. ବିନାନନ୍ଦା ଏସା କାଳିପଣ୍ଡିତାନ୍.	21	
ଜନତ. † 26	ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡି. ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡିତାନ୍ ପିନ୍ଧିରାଜୁନ୍ ଲୁହିର୍	22	
କତ. † 27	ମନ୍ତ୍ରୀ. ପିନ୍ଧିରାଜୁନ୍-ବିନାପଣ୍ଡିତାନ୍. ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡିତାନ୍.	23	
ଜାନ. 28	ମନ୍ତ୍ରୀ. ଜାନକୀ ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡିତା ନିକୁତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହି ଲାହି ଲାମିଶାରତା.	24	
ଶାତ. 29	ତାଲିତ୍ୱେତ୍ତିଲୁହି ରାତାପତା ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡି. ପ୍ରାଚୀପଣ୍ଡିତାନ୍ ଶା ମନ୍ତ୍ରୀପଣ୍ଡିତାନ୍	25	
ପ୍ରାଚ. 30	ମନ୍ତ୍ରୀ. ବନ୍ଦିଶ୍ରୀକାନ୍ତାଶିଖି, ମନ୍ତ୍ରୀ. କୁଳାଚନ୍ଦ୍ରପଣ୍ଡିତାନ୍.	26	
୦୧	କାଳିରା. ମାତ୍ର. ଶ୍ରୀଧାସତ୍ରିଷ୍ଠାନ୍.		
କର୍ମ. 31	ବି. ମେଲାନା ରାମପଣ୍ଡି. ବିନାପଣ୍ଡିତାନ୍ ଲାହିପଣ୍ଡିତାନ୍. କୁଳାଚନ୍ଦ୍ରପଣ୍ଡିତାନ୍.	27	
୧୧	ମାତ୍ର ମନ୍ତ୍ରୀ ପଣ୍ଡିତାନ୍.		
୧୨	ମାତ୍ର ମନ୍ତ୍ରୀ ପଣ୍ଡିତାନ୍.		

ಸಾಮಂಕ್ಯಾಲ್ಯಾಪ್ತಿ ಲಾ ಸಾರ್ವಪ್ರಾಣೀಯ ಉಪಭೋಗ ಡಾ ಅಂಗಸ-
ಸ್ಟಾನ್‌ಲ್ಯಾಂಡ್ 1884 ವೆಲ್ಲಿ.

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

1. ಕ್ರಾಂತಿ, ಅಥಾಲ್-ವೆಲ್ಲಿಂಫ್ರಾಲಿ.
6. ಪಾರ್ಕಾಸ್‌ಪ್ರೈಸ್, ನೊತ್ತಲಿಸ ಲ್ಯಾಂಡ್.

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

2. ಖ್ಯಾತಿ ಮಾಜಾತಿಸ ಮಿಂಕ್‌ಪ್ರಾ ಉಪಭೋಗಿಸಿ.
17. ಪಾರ್ಕಾಸ್‌ಪ್ರೈಸ್)
18. ಅರ್ಥಾತಾತಿಸ) ಚೆವೆಲ್ಲಿಗ್ರಾಹಿ.
19. ಡಿಡ ಮಾರ್ಕೆಟಿಸ ಅಲ್ಯಾಂಡಿಸ ಲಾಂಡ್.
26. ಕ್ರಾಂತಿ, ಶಿವಿಂದಾ ಇಂಡಿಯಾರ್ಕಾರ್ಪಾರ್ಕಿಸಿ.

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

2. ಪಾರ್ಕಾಸ್‌ಪ್ರೈಸ್, ತ್ರಾಕ್‌ತಿಪ್ಪಾತ್‌ಪ್ರಾಲ್ಯಾ ಇಂಡಿಯಾರ್ಕಾರ್ಪಾರ್ಕಿಸಿ,

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

6. ಪಾರ್ಕಾಸ್‌ಪ್ರೈಸ್,)
7. ಮಾಜಾತಿಸ,) ಗ್ರಂಥಿತಿ ಕ್ರಾಂತಿ.

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

ಎಂಬ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

6. ಕ್ರಾಂತಿ, ಶಿವಿಂದಾ ಮೆಮ್‌ಪ್ರಾರ್ಲ್ಯಾ ಪ್ರೈಸಾರ್ಕ್‌ಪ್ರೋಹಿಸಿ
9. ನೊತ್ತಲಿಸ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಗೆ

- 15, සැම්. දායුගිරිගීගීප්පා තිබුණිකිනිසා.
- 17, තෙත්මාතාත් මාලුලුවේදායා.
- 27,) සූලි එම්බුලු මුහුණු.
- 28,) සූලි එම්බුලු මුහුණු.
- 29, පාරාසුයෝ එම්. මුඩ්. පුත්‍රු-පාවලුයි.
- 22, යුවිනා, පාරිඹුලු එම්බුලු මුහුණු.
- 6, ගතක්. ගුරුනිං ප්‍රාදාලුයා මුහුණිසා.
- 15, ගතක්. මිලුප්‍රාදාලුයා එම්. උවතිස් ම්‍යුම්ප්‍රාදාලියා.
- 25, මුදානුවාලියාලික්‍රිතිනිස් දායා.
- 29, ගතක්මාතාත්, තායුතු ජිගුවා නිභාන්‍ය එම්බුලුයාලිසා.
- 8, මාගාත, මිලා ප්‍රාදාලුයා එම්බුලුයා උවතිස් ම්‍යුම්ප්‍රාදාලියා.
- 14, පාරාසු. ඇයාගත මාලුලුයා.
- 26, ගතක්මාත් මිලුප්‍රාදාලුයා නිභාන්‍ය ප්‍රාදාලියා පුත්‍රු-ප්‍රාදාලියා.

გამოჩენა წმ. ჯვარისა და თარიღისა	6
ამაღლება ფესო ქრისტესი და ფარისი	17
სულის წმიდის მოსკოვი	27
აღების ღამე ფარდავარის მარხ. ღამე ფიჭურვე	8
ვარდავარი, (ფერის-ცვალება). . . .	15
აღების ღამე წმ. გრიგორ გან- ღამე	
მანათლებელის მარხება. ღამე შეამართვა	17
აღების ღამე ილიას მარხება. . . .	29
აღების ღამე წმ. ღვთის მშობ- ღამე	
ლის მარხება	5
მიცვალება წმ. ღვთის მშობლისა	12
ჯვარის ამილება, ათექვესმეტსა და ცენკენისთვ. . . .	16
აღების ღამე ვარაგის წმ. ჯვ- ღამე რიც	
რისა ანუ წ. გიორგის მარხ. . . .	23
დღესასწაული ვარაგის წმიდა ჯვარისა	30
ჯვარის პოვნა ღამე და რესა	28
ჰისნაკის აღების ღამე	9
სურბ იაკობის დღესასწაული. . . .	15
ჯღების ღამე შობისა და გან- ღამე მიზანის დღესასწაული	
ცხადების მარხება. . . .	29
ა ავალინი (და გვამ) დადამ ამიტოდ როგორ	

ମାର୍କିନାରୁ ଶ୍ରୀତ୍ରୁପ୍ରେଲ୍ଲିପା ପିଲାହିଟି ପ୍ରାଣ୍ୟରେ ଦେଖିଲିଏ.

ଗାତ୍ରକୁଳି— ଦାତାଚିତ୍ରିଶା ଶ୍ରୀମିଠାରୀ, ଶିଖଜ୍ଞଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରେ
ନିଯମିତ ଦେଖିବାରେ ଦେଖିଲି ଏବଂ

ଶାକ୍ସିକୁଳି— ଶ୍ରୀମିଠାରୀ, ପିଲାହିଟି ସିପିଏୟବା.

ଶ୍ରୀମିଷ୍ଟଗାତ୍ରି— ଶ୍ରୀମିଠାରୀ, ଶିଖଜ୍ଞଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରେ
ଶାକ୍ସିକୁଳି— ଶ୍ରୀମିଠାରୀ, ଶିଖଜ୍ଞଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରେ

ଶାମତାରୀ— ସିପିଏୟବା, ତମ୍ବଳି, ପୁନିବା, ଶ୍ରୀମିଠାରୀ,
ମନସାବାଲି ପ୍ରେଲାତ୍ରିକାରୀ ପାରିଗା.

1884 ଶ୍ରୀଲ୍ଲି ମହିଳା ଦା ମତ୍ତାରୀଙ୍କ ଲୋକବିନ୍ଦୁ ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀ
ଦେଖି ଦର୍ଶନ ପାରିଗା:

ମାନ୍ଦ୍ରି— 15 ଦାବନ୍ଦେଲ୍ଲିପା ଶିଖିଲା, 8 ମାତ୍ରିକ୍ଷେତ୍ର, ଦିଲ୍ଲିତ.

ଶ୍ରୀମିଠାରୀ— 22 ଦାବନ୍ଦେଲ୍ଲିପା ମତ୍ତାରୀଙ୍କ, 11 ମାତ୍ରିକ୍ଷେତ୍ର:
ଅମ୍ବିକାନ୍ତରେ ଦେଖି ଦର୍ଶନ ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀ

ରାଜ୍ସିକାରୀ— ପାରିଗା ଦର୍ଶନ ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀ
ନାନାକାର ମହିଳା ଶିଖିଲା ଦା ମତ୍ତାରୀଙ୍କ ଦାବନ୍ଦେଲ୍ଲିପା:

ଶାମଜ୍ଞି— ମହିଳା ଦା ଉତ୍ସବ ମତ୍ତାରୀଙ୍କ. ମତ୍ତାରୀଙ୍କ
22 ଅ 23 ଶ୍ରୀମିଠାରୀଙ୍କ ମହିଳାଙ୍କରେ

1884 ଶ୍ରୀଲ୍ଲିପାରୀ ନାମିକାରୀ ଦା ପ୍ରେସ୍ 36 ଫଲ୍ଲ.

ଅମ୍ବିକାନ୍ତରେ ଦେଖି ଦର୍ଶନ ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀ

ଲୋକବିନ୍ଦୁ ଅମ୍ବିକାନ୍ତରେ ଦେଖି ଦର୍ଶନ ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀଙ୍କ
ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀଙ୍କ ଅମ୍ବିକାନ୍ତରେ ଦେଖି ଦର୍ଶନ ପାରିଗା

ଶ୍ରୀମିଠାରୀଙ୍କ ପାରିଗା ଶ୍ରୀମିଠାରୀଙ୍କ ଅମ୍ବିକାନ୍ତରେ ଦେଖି ଦର୍ଶନ
ପାରିଗା 3 ଅମ୍ବିକାନ୍ତରେ ଦେଖି ଦର୍ଶନ ପାରିଗା:

ଶତାବ୍ଦୀ ୫ ୦ ଟଙ୍କା ପ୍ରକାଶିତ

ବିନାକୁଳଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଶୂନ୍ୟକାନ୍ତରୁ
ନିନାୟ ମେ ଲେ ଶେବେ କ୍ଷେତ୍ରର କ୍ରମିଲୋକ କିମ୍ବାଣୀ,
ଅଧ୍ୟେ ଲାମିଲ୍ଲେଖିତ ହେଉ କୁଳସ ଅଳ୍ପକ୍ଷେତ୍ରର
ଶେବେ ମାତ୍ରରେତ୍ରାନ୍ତି କ୍ଷେତ୍ରର ମାନାରହିରାନ୍ତି!...

ଶୈଖିକୀର୍ଥ ପ୍ରକାଶିତ

ମୁଦ୍ରାକାଳିକ୍ଷେତ୍ର, ଆତ୍ମକାପ୍ରେସ୍‌ରୁକ୍ତି ॥
ମୃଜୁଦରକୁ ଶେବେ ହେତୁକାନ୍ତି କମ୍ପୁସାଇଫ୍‌ରେଟର,
ଏ ଗାନ୍ଧିଜୀବୀରେବିତ ବ୍ୟକ୍ତି ବାରଦ୍ଵାରା ବ୍ୟକ୍ତିରୁକ୍ତି
«ମିଯ୍ୟାରକ୍ଷାର ଗୁଲିତ!» ମେଘାନ୍ଦେବରାତ୍ରି!

ଶୈଖିକୀର୍ଥ ପ୍ରକାଶିତ
ମାଦରାମ ଚିତ୍ରରମା ଚିତ୍ରନାଟ୍‌କର୍ତ୍ତରେ
ଏବଂ ଶେବେନାରୀ ପ୍ରକାଶିତ ହେବେନ୍ତି କିମ୍ବାଣୀ;
ଶକ୍ତିଶକ୍ତିର ଶାଶ୍ଵତକାରୀ, ପ୍ରମାଦ କାମିକର୍ତ୍ତରେ
ମନ୍ଦିରିକାରେ ମିଶ୍ରକ୍ଷେତ୍ରର ମୁଦ୍ରାକର୍ତ୍ତରା!...

ଯେ, ମାତ୍ର, ମିଶ୍ରକ୍ଷେତ୍ରର ମଧ୍ୟ କାହାରୁ ଶିଖିକ୍ଷାରେ
ବେଳ ପାଦପଦ୍ମମଧ୍ୟ ମିଶ୍ରକ୍ଷେତ୍ରର ମଧ୍ୟ କାହାରୁ
କେବଳ ପାଦପଦ୍ମମଧ୍ୟ ଏବଂ ପାଦପଦ୍ମମଧ୍ୟ କାହାରୁ
କାହାରୁ ମିଶ୍ରକ୍ଷେତ୍ରର ମଧ୍ୟ କାହାରୁ!

ଶୈଖିକୀର୍ଥ ପ୍ରକାଶିତ କିମ୍ବାଣୀ ଶୈଖିକୀର୍ଥ ପ୍ରକାଶିତ

1883 ଶେବେ ମାତ୍ର ଏ ପ୍ରକାଶିତ ।

სპასულმხევთხს მუჯეს და წარმართუა უნირთველოთცე-ღ
 ფეზე, მირვანის შვილზე, იარშაჭჩე, რომელიც ცემისგან
 ვე დედინი-ძმი იყოა თვიდი არშაკმან შემოჰკრიბის კუთხი
 ველო ქართლის ერთსა კუთავნი, მოირთო მალი სარსეაზ
 თით და თურილეზედ მწყეს ბრძოლის ჩიუგლუგებით და
 და მშვილდა სტეპით მოდეს დუქეთქნიათ ჩიუგლუგები
 იგი საჭურველია მათსა გელი თუ კუვის უქართლისა და
 ცხოვრება, მზგანს იყვეს ხმასა უროვასა და, რომელი
 იცემს მცელლისაგან გრძელოსა ზედა, და ჩხან ზე
 ხილის მათისა მიზანი იყო იყო შუხილისა და მიშინ ცეკვას
 სალეს ერთმანერთსა, და მშვირეს და უკუდგეს ამინდი
 და თმიერა შელამდა და დედე და განისვენეს ცორტა ვე და
 დილეულ კვალად გამოვიდეს, ალიდეს მშველდები და
 იწყეს ურბევად და და სისრად ერთმანერთისა; ცეკვა
 ადერქმა ისართ მცერდსა არშაკისა და ვერა უფარის
 სიმაგრემან საჭურველისამან, განცლო ზურგისა და
 ჩამოვარდა თანმა კუთხიცენ ისაგან შეიქმნა და დერგია
 მსწრაფლა მივიდა სპონტა თანა სომებითა და და პრეცეს
 გაფუცებ და დერთო თქენენთა უნიკანმიარტებო მა-
 ხეოლთა რთქენოთა ქართველთა ზედა და სამეთუ მა-
 მულნია ჩენენთა და და ვარმევე მათი ძალისა და
 და შეწევნ ითა თქენენთა ისმინდეს მომებთა ველრები
 მის და
 მოვიდა მან და და

თავენი დრა აღაშენოარდაბადაგანს სახლო სალოცხეი
უჯულისა მათისუამქართველთა დაოყრდეს სჯული
უბოროტესრცყველთა ჩათესავთა, ომშოთუ ცოლ-
ქმრობისათვის არაორინდათ ნათესაობა, და უკუკელ-
სა სულიერსა ჭავდეს. ყაფლავი მცირდებოდა მცედურსა
შესჭამდეს, ამდელექქანდრე მაკედონელმა ჭპოვნა ყო-
ველნო ქართველნი უბორეტეს ყოველთა ნათესავთა
უჯულითა არამეთურცლექმრობისაოდა სიძეისაზეის
არა ტრინდათ ათენათესა უკველისა სულისა სჭამდეს,
მცედურსა შეშესჭამდეს. » და ას « უბძანა თალექქანდრემ
ვაზონს, არათ პატივსაცემდენ მზესა და მოთვარეს და
აფრის კოლაგეთა ხეთთე და მსახურებდენ დამერთსა უხი-
ლაქს, დამზადებელსა უკველისასა და « მოკვდა ალექ-
სანდრე დაომან აზონდედარტევან სჯული თალექქან-
ნიდრეს მოკვდემული. მარტივერპთ მსახურებად და შექ-
მნა თანი კერანი ვერცხლისანი, ზეაცი და გაიამ. »
ვახუშტი დაურთავს აზონმენ ეჭვ მისუაონ ქართვე-
ლებს თავიანთის შეიღების მსხვერპლად შეწირებისა
კერპთათვის « ფარნევაზ მეფემ შექნა უკერპი დიდის ტა-
ხლესათხედვ თვისტერა დესვე გრს არმაზი, და ფარნა-
ვაზს სპარსულად ირმაზი ფერებარმარმართუ კერპი ივი
გრმაზი თავსა ტედა ქართლხსათ რომელსა მიერიდ-
გან ეწითა არმაზი ვერპისა მისუაონ და ქმნა ცაგუ-
რები დიდი კერპისა მისი ვერპ ხლმართებულისა და « რად-
გან წარმოიდა თალექქანდრე დარღარა სჭამდეს უკა,

თევზიერა რომელი შესწირებიან კურპეტა მსხვერი პლატ. »
— ფარნავაზის შეიღო მაგ საურმაგ შექმნა თარნი იტერნი,
— აირინა და ცლანანი, და ამართნა უზასტ ზე გა მცხედი-
— სადა ივარნა ჯგუმ ნებროთი და ქართლის ცხრილება
— იკრის; « შეიყვარა ასჯული სპონსორ ცეცლისა მსა-
— ხულება, მოიყვანა სპარსეტით ცეცლისა მიახურნი
— და მოგვნადა დასხნეს ჟინი მცხეთას, აღვისუნი მის,
— რომელსა აწ ჰქენიან მოგვთავ, და აწყო ცხადად გმო-
— ბად კურპთა.. ფისტონისა მოიძულეს წყი მცურალთა
— ქართლისათა მარეთული იდო სხსოება აქნ და კურპ-
— თა მიმართა ეს, რე მიზეზე, როგორც ზემოთ მო-
— ვებსენეთ, რომი ქართველებმა ფარნჯომი განსაღე-
— ნეს და მეფედ მრიწვევე არშეკენ მიკუდირ. მოგრდა
— ათორმეტთა იმუტეჭულობანი ან დრია ქალაქად ტრა-
— პიჩონად, რომელი არს საფული მეგრელთ, და იში-
— ლი უგუნიურება იცირულყვებრივი მკიდრთა შირის
— მის ქალაქისათვალგან კიდა მიერთა შეკიდა ჭუყარასა
— ქართლისათვალისა როგორ ფართა ეწოდების, ხო-
— ლო მუნიციპიტეტი პირუ ტერა უგუნიურეს რკნეს, რა-
— ნი მუტუ არა რცნ იმდევს შემოქმედა დმიროთა და ერ-
— ველსა იაძეველსა და რეა წმინდას წესის აღმართუ-
— ლებდეს, რომელი სათქმელა დრო უჯერო ინტერ-
— ვეიდა საზღვართა სამისი მატერიალი, მაგ ისოფელსა და დენ-
— გორის ასიხოლა, რემეტუ კაცნი მის აღიღილისანი უზორ-
— ვედესა კურპთა ცურალთა, და უილობა და უკურნი

წო მდგრამარე კაცი ურთი სპალენძისა, ორმეტა
ეცვა ტანსა, მისსა ჯაჭვით უქროშა და აუსა მესა
ჩაფხურო უქროსა, სამხრენო და თვალნე მისნი ცეც-
ნენ მშენებულ ტიკა იდან ბიკრიტისან თადა ეპური მრმა-
ლი ძხელს მისა, ელვარე და ბრწყინვალე, ტრომელი
გვიცემდა ხელსა რმიულ მიზანისა, არაენ ცანკურძალ-
ველად შეემთხვევოდის ფერშა იმას, არამედ ავსარედ
განიკითხდა თუ რე თვისი დადგინდენ ჩემდა ჭრუჭეთუ
დასამეცავლდა დიდებასა დღიდისა შმის ღვთან ურმა-
ზისუ! ადგნუ შესამეცს ცე ისიტუად ცე ბრაელთაუ თან,
გინა შოვთა თან ა სმენ ასა, თდენ დამთხვეულ კუო
მხრისა მსახუროთასა, დღაცეუალი თუ მარჯვენით მის-
სა აქვა ცერპი იო ქროსა, ნახოთა ცე ცისათა, მდგომარე
და სახელი მისო გაცირ, და მარტო მით მისა უდგა
ცა ცე ცერპი სახელი თმისა ცე ციმი, ტრომელი
ივი ღმერთად უჩნდენ ერთა მათ ცე ცი თლისათა, »
როდესაც წმინდაშინ უნიო პლოცის მულით ცე ცინი
და მხრი, მა მინც უმრაველესნი იგი ისტურდეს ცე ცულ-
ფიცელნი, მოულრეცელნი ეს ესრული თარმე ცე ცილ-
დეცელთა ლმერთი ითრუჯან და ჩვენი ეს ლმერთი
თარმა ცე ცილდე ურთი ურთისა მშტერ არიან ტრომე-
ლუ ამან ლიცემდე მათ ცე ცუ მოიცემია და იტრი მან
იშური იძია და მრაწია ეს ქამას ცე ცე ცოლო ტრომელ-
ნი მე ცე ცე ცოლო მიტრე მიტრე ცე ცე ცოლო მე ცე ცე ცოლო

ცუალა, პლაკვალად იტელსაგან მარტო მოაქციენა, მან უკეთ ღმერთმცნა ჰყო იდა მოაწივენ ა ესე ტისხვა თესი იმათ ზედა მიღები მიღები მაშეოდ მართვა მოისხმის ამ ფამონის ერთი მას სჩანს, ჩვენი მატი- ან ე უჩვეულებს ორს სხვა და სახუა მხარეს, საიდამაც საქართველოში ძველი ცალსარება გაურცელებულა. ეს მხარეებია: სჯბერძნები და სპარსეთი. აზონსა შე- მოაქვს გაცემა და ფაიამი თაურმავს — ინინა და და- ნამა; აფარნაჯომს — ზადენი. ანდრია მოციქულის დროს მესხნი შასხურებენ ბერძნების ღმერთებს არ- ტემის და აპოლონს რევის მეულლე, ასული ღმე- ლოთეთისა, წემოითან აფთო ღილი ვიდრე ბერძნე- ბის საჩრმენო გრძერი გაფლენ მომოქნ ღებოდა ჩვენ მხარეში, ნერვით აღრევის დროებზეა აქ ფოულობო- იმავე აღსაწების წესი და ღმერთებს და რომელთა ც ადმინისტრებიან ტავრო სკონთებში და რომელთა ც თვეოთ საბერძნეთის ტომინი უქვემდებარებოთ ენა ამ თავანის ქართლის ცხოვრება შეეხება მათ ურებდნენ მშესახუ მთვარესა და ხუთთა უარს კვლავთ ასაპარსე- თ ასამ ჩვენ შემოგვითან არჩა ქართლის ცალკე არა სა- ხელის ფრენის ფრანგიზე: «შექმნა კერპი დიდი სა- ხელია ზედა თეისსა და სუარმაზია» შავრამ ცხა- დია რომ არმაზი ძველი დველი დველი ასაკა- რთველოში, ჩვენი არმაზი საარსებოს თარმოწევის და არმაზის არმაზის ან უც- ლების არმაზრის საპარსეთში იყო მშესახუ ან უც-

• ტეტრა წილმომზღვენ ელი, » ღმისწილა მიუხურნ და გუექნ
 • მოგვენ ღ. ც სჭიროვე მოში ღაბ სომხეთში იჩა კურტკო-
 • მსახურების გავლენის ქვეშ შეუცვლელი თვეში საჟირა-
 • ღის დაჯონიურის: ნავის ფილმენტი და სამართლო
 • ფურიკად. დარალაზე გნაც ც ტრვა გერებზე ჰერა აზრში
 • ცეკვერების ცულტოღას, ამისთვის ის აქ ბოგაძეს
 • ცომხეთში, იუმითავრეს ღლმერთ ც უდა აზერის. სომ-
 • ხეთი არმიზ ტიბი წოდებული დომერთ ებრა მართლა
 • შეფელ გვისი ტერიტორიის რეო ზემშართ ული და და-
 • ქშია; კეკე უკონ და ადგი სალტო კრაზ უსამდებარ
 • მთავარი შოთა ქლონენ ელის სიტყვით, და ართველი
 • ერქმინა უკერძებლის მპყრობელო, ნორმათ ულა აყი
 • დეტლაქ დროინოს, მუალმა მოურნა რისა. მეულებისა- მებრ
 • აჭილაჭის მუხრანერებნ თაყენას ც ციმან რისა ჟორელ
 • ც დღე, ფან თიბერის დორის, ფან აჭინ თის ცახლის
 • ულებელო დო
 • და
 • და და

შერეული, როგორათათუ შერძნ ების მალარი ბასთან
აგრძელე სხვა და სხვა გვარს ამჰარა რწმუნ ებასთან
რთმელნიც სომხების წინაპართ სკვირთიდამ გამოსუ-
ტანისთ. სტმხების აკერპოებში მარილებრდა მრავალ
ვალ-რიცხვი კერძოები, რამელთა აპლუტიფია შესწორ-
რაფინენა გვიგვართ მსხვერპლები აღრმალული იყენდა
ზოროსტრის არწმუნოებაში უშემძლებელის ღი-
ლმერთნი სომხების ჩრით იყვნენ არამარტო სპერი
სების ცორმუშდნდა აშერძნ ების მომარტერი აღმართა
ჰანარით ზანუ უ ვენ უსი და მიკრო ანუ მითრა სომხები
თაყვანს უ ცემდნ აგრძოვე სბან ტარადელა ვაკევან უ-
ფარმა ნან ეს დო სხვა მრავალთა გრომელნიც
ჩვენ მიურ ცნობრილ ღირ არიან »თუ ცა ლი და და და
« აშერძნ მსახურება იყალ ფაფულებული აროებ
გულცემუქართველოს თემებში აგრძოვე იმდე მოსახე
ზღვრე ქვეყნ ებში. სტრაბონის წარმოდგენით ღილბა-
ნელნითა უ ვანს უ ცემდნ უ მშეს იუპიტერს ფა მოვა-
რეს (ან აკიდს), კოდა მომარტებულად ამ უ მოსახულს წი-
რომლის ტაძარები რყო იბერის სამზღვროდ მცირები
ახთაში მსახურებდნ ენა თავინიში უ ფოლოლონს, აფუ-
ლოს ტრაიის ზრით დ იქვე მშობს; ბრთინიაში დ
მარსს; ტრაპიზონ შირე მერეული და ჯოვანე მეოდეს
ღმერთს. ჩვენის პონ ტის მხარეების ღმერთნი იყვნ ენ მ-
ცერაცილის და და ახლან დელის ან აკლის; მუპიტერის
სტრატია, ფაზისა ვენ ერა, ცომელი აზრიანის სკი

ტყვით, იმყოფებოდა მდინარესა შესართავის მარა ა
ცნოვ. კუნერას ხელში ეპურა კიბალი და დისი გ
ტრონი იყო დაბჯენილი ლომების სტატუებზე, უკ-
ნერა ჩივლი თარიგის მსგავსად ფაზის ქალაქშივე. უჩვე-
ნებსა არიან ასილლესის ტაძარს, ახელლესისავე დ
სახელით წოდებულს, ომელიც კუნძულზე თუ მდი
იყო აღმართული, აფხაზთ თაყვანის ცემის საჭანს,
პროვოფის მოწმობის, შეაღვენ და კულებით და უ
ტყვებით თურთ ქველნი ჩერქეზი ამბობს დუბუკ, უ
თაყვანის ცემდნენ ქალწულს, რომელიც წარმოადგ
ადგენ და როგორც ჰანაიდუ ვენერას მთავრესი
სომხებისას, აგრეთვე la Venus. Uranie. ეს ღმერთად
იგივე იყო, რაც იყო დიანა ლუციფერა ანუ ტელი-
ფერა, რომელსაც ეპურა ნათელი ანუ ლამპარი. »
ხერსონ ეს ში აღმართული იყო ტაძარი იგივენიად გ
გადაჭულის საზარელისადნან მისი, ინტერიერი ღლუშ
ამ გვარად იყო მოცენილი ტაქართუელოში დღუშ
იმის გარეშემც კურპთ-მსახურება, თუმცკ, როგორც
ქართლის უხოცება, ამბობს, კურპთ-მსახურებას უვე-
ლადვე, ებრძოდა, ცეცხლის აღსარება, რომელიც ზოგიერ
ერთს მეფებსაც მიმხრობდა ის, თუმცა დამისნ
მსახურინი მოგვენთ ხალხში - ავრცელებდნენ ჩმისნ
მსახურებას, თუმცა მიმტრობდა ეგი ხანიც გასწორ
და თვით ქრისტესა სჯულის მიღების ცემდევს ქარ-
თველოში, ეს იგი შეხუთეულებეს საუკი დოძნა დის

ღღ ბრძოლა და მისი შედეგი ან ტიქილებსა და სხვა სუბჟექტების
 შორის, მაგრამ მაგრა შეუძლებელი არ აქვთ. კურსულის
 ცოლის თაყვანის ცემისაგან დაჩაგრეა ძველი დ კერპთა თ
 მსახურებისა, რშემდევ ჭრის ტეს სარწმუნოებისა შეუძინ
 ძლებისა დ მიუკონის, რომ ჯერ კერპთა მსახურების
 ბა, იმასუკან ქრისტიანობა საქართველოში. თუ ამინდი შე
 მოსაზღვრე მხარეებში იყვნენ მჭიდროდადა და მყარებ
 ბულნობის მოფენილნობულებისა დ ისინი მხრებ
 არის არა მიუხედებდა სტარტულობის კერპთა თ
 მსახურება, ამას ქართის ცხოვრებულების მოსაზღვრებს, რის კ
 იტევის: « ქართველებს ეპერათ სჯული უბოროტესი
 ყოველთა ნათესავთა: ქართველები შესწირვიან კერ-
 პებს ყრმათა, სჭამდნენ კაცთა, რომელთა შესწირა-
 ვიან კერპთა. » შესაწყნარებელია თუ არა ეს თქმუ-
 ლობა, აი ამაზე რას ამბობს ბროსსე: « მე მჯერა
 ქართლის-ცხოვრების სიტყვა ცოლ-ქმრობაში ნათე-
 საობის შერევაზე ურიების ჩვეულების მიყოლით და
 მკვდრის დაუმარხაობაზე ცეცხლის თაყვანის-მცე-
 მელთ მიბაძვით. მაგრამ მექნელება დავიჯერო, ვი-
 თომც იპერიელთ ადესმე ჩვეულებად პქონიყოთ
 კაცის მტემლობა. კაცის მჭამლობას, ჩვეულებად შე-
 თვისებულს, ძნელად პოულობენ თვით აზიის ტო-
 მებში. აშენიკის და კერანის მცხოვრებნი, რომელ-
 თაც მჯობალია, პქონიათ და აქვთ ეს ჩვეულება,
 არიან ველურნი მეომარნი; იმათ არ იციან არც

ბინადრულია უცოშერებთ. არც ემინი ცატურულია მიწის ისა გ
შემუშავება. ისინი თკუებების წელის ცატურულია მიწის ისა გ
და კუს წილური თკუებების მისთვის შესაძლებელია, რომ
იმათვის პირუტყვის ასეთი გადას შემშილი არ აღმ
ძრუებულის მიმართ ულის წარდოლს, როდესაც ისინი ფრენის
ვენა მიტერს, იმიწაზე და ართხმულს, მაგრამ არა მართი ისინი
ჭამა ნაკადული იერისა მიწის-შემაკაც იშერებან, რომელიც
ნიც ბერძნებისა და რომაელების უთქმით, მჭიდროულ
და ფურცელულს ტომის შეადგენ ლინენ, შესაწყნ არც ბელი
საქმე. პროცესი, და მეტ უარსებული ამას »ნა«, და ცუდას
ის ცოლობრ ულავ თანა და პროცესის და მის კარგი
- რე მიღებიშე ერთ ინტენციის გათვალისწინების და მის კარგი
- რის შემთხვევაში, თავის შემთხვევაში, თავის შემთხვევაში
- რის შემთხვევაში, თავის შემთხვევაში, თავის შემთხვევაში

କେତେବୀପିଲେ କେବଳ କେବେଳା

ନେଇଲ୍ଲାହାନ ଘୁମିରୀଶା ଝନ୍ଦାକ
ତୁ ପାଦିବିଶୁଦ୍ଧିଲା ମୋ-ଦେଖି! ନିର୍ମଳୀରେ ନିର୍ମଳ , ନିର୍ମଳ
ନିର୍ମଳଟେକ୍ ଫିଡ଼ିକ୍ରୂପିଲାରୀ ଅର୍ପନ୍ଦାଫିର୍ମିନ୍ଦ ଉପରିମଳୀରେ
ଦେଖିଲା ଏବେ ନିର୍ମଳିରେ ନିର୍ମଳିରେ ନିର୍ମଳିରେ
ନିର୍ମଳାକୁ ନିର୍ମଳିରେ ନିର୍ମଳିରେ...
କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ
କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ
କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ
କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ
କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ କୁଣ୍ଡଳ

କୁଳ ପରିମାଣରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ମାତ୍ରରେ କିମ୍ବା
ଏହି ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

მოგონება რისგან შარმოსდგება.

ჩვენს «გაზეთებში» ხშირად შეხვდება მკითხელი, რომ ეკროპაში ქათ და ქამოურებულის მოიგონეს მაშინები, მოიგონეს გუთნების მოიგონეს სალეჭავები, მოიგონეს საფეხვები და სხვა ამ გვარები. ამ გვარს სიტყვას და ლაპარაკს არამც თუ «გაზეთებში» და სხვა წიგნებში, და ისე ლაპარაკში უფრო ხშირათ შეხვდება ყველა ჩვენი კაცი: ისა ჰქედავს საათებს, ტელეგრაფებს, აკინის გზებს, ზღვის პარახოდებს, და უსრულა ამ გვარს შაშინებს და უკვირს, რომ: ეპერთაბა თავი იმასა ჰქონდა თანინც ესეები მოიგონაო უი აბა, შეილონია, ჩვენც ვიტყვით, რომ ადამიანები ვართ და ამაების მოშეონიცაო!

მართალია, ამ გვარს მაშინების მოგონებას კარგი დიდი ჭიკა უნდა, მაგრამ, ნუ ჰყონას ჩვენს ქართველს კაცს, რომ ამ ჯურაშ ჭიკონები ჩჩერში არ მოიპოვებოდეს. ხშირათ რისამე მაშინისა ანუ ამ გვარის რამე სხვისა მომეონებელი არც-კია დიდი ჭიკის პატრონი, ზოგჯერ სრულიადაც საშუალო ჭიკის კაციც ჩაის, მაგრამ იგონებს კი რაღაც საცა, რომელიც ჩვენს გონებას აკვირვებს. ამისი მიზეზი

სხვებს ცილკაცალკა შეუძრთებლათ და გაიზარტეთ
ჭრინდათ გამოსკვლეული. მეტადრე ცილკა უკროპების ძალიან იცავილია
ყოფილ რიგი მოგონებაები, რაჯვან უკველს მეცნიერებას ათასობით გამოცვლეველი
ჰყავს, რომელნიც უკველს თუმცის გამოყლევას, თა-
ვის მოპოვებას იყრადებენ ჭრებების ზე შემცირებებში
ურნალებში და ისე წიგნებში, ას კველა ამათვანი
დიდის ურნალებით ადევნებენ ურთმანერთხს ჭრთ-
მხს და გამოცვლევას უურადლებასა. როდესაც ჭრმე-
ლიმე საქმის უჯველზვე შოელინ ეძანი გამოცვლება
ვიან, ამ მეცნიერთაგან, როდესაც მასალა სრულიად
შხაო არის, მაგრა ერთ-ერთ ამათგანი, ან იქნება
ისე პირიცა რომელიც თუმცა თითონ არა ჭრის
მიზღვა ამის გამოცვლევაუბში, მაგრამ ცუწავლიდა გმ
საქმეს და აურს უგდებდა, კრონი ჟოტკულ ერთს
ვისმე ამ საქმის მცნეს, რომელიც იქნება გონებით
ბუებჩედ ბუერით ნაკლები აუცე, მოსლის თავში ამ
გამზადებული და შემუშავებულის მასალებიდან გა-
მოილოს რამე ერთი საქმე, შეარდგინა სისტემა,
შეაერთოს ადა მისცეს მრავლიანობა ის შეუდგებ
ამ საქმეს და ვამადგეს იმ გეართ საქმე, რომელსაც
ჩვენ უვითაც და უკეთით მოვონ ეძან, ამ გვრივ
კველა საქმე მეცნიერებაში გინდა თუ თავს მა-
შრების მოგონებებში რელიეფი მართონ აცილება

— თბილის რეგიონის ჩეენ გვერცვის საათები, რეინის
გზები, ტელევრაიები, ჰორიზელის გუთხები, გვერცვის
დროს უნდა გაგვერცებოდა შექნებული უბრალო
წყლის წისქებრები, ურმების გუთხები; ჩეენ ჩედ კი-
ლეუ წინ ექნებოდათ გვიაკერვებლათ ხელსაფეხვე-
ბი, ბარები, ცულები, შაგრამ დღეს ხაულიად გასა-
კურველდ ამ მიგვიჩინა, ჩადგან თვალი და უურო
გვაძეს შეჩერებული და პრიმიტი გაკეთება მიგვაჩინა
სამნელოთა. ეგრეთვე ჩეენ არარც ის მოგონებაები
მჩგვდინარები განაცემათ რომელთაც ენლა გონები-
დამ ვამოვყევართ, როდესაც იმათაც შევაჩევეთ თვალ-
სა დაცულება, რჩედ შესაც ჩინჩები გრძელებიან ჩეენ-
ში, როდესაც ჩეენც გაგვიადვილდება ამ ცაქმეებში
ნახვა, როდესაც ჩეენც მოგვეცემა შემთხვევა, რომ
ამ საქმეებში ჩავდგეთ და ვისწავლოთ.

• მაშასადგმენ ჩვენი მყითხველი ნურას დროს ნუ
აიღებს თავში, რომ იმისი გონება და ჭკუა ძალიან
შორს იყვეს ამ მომგონებლების ჭკუაზედ. როგორც
ზემოთ უჩენეთ, საქმე ვარჯიში და მიყოლაა. ჩეენც
როდესაც ვარჯიში და მიყოლა გვექნება, ჩეენც,
უეჭველი სქმეა, რომ მოვიგონებთ რასმე ისეთებს,
რომელნიც დღესაც გასაცრათ მიგვაჩინა. აი ჯერ
ეხლაც: რეინის გზებზედ, სრულიად უსწავლელნი და
უნახვი მეგრელები და იმერლები არიან, მომეტაბუ-
ლი ნაწილი მაშინ ისტებათ, კოჩევარებათ, და რეი-

ნიჟა გზის პატრონები ანდობენ მთელს მოგზაურო-
ბებს და მაშინის მოძრაობას ამათა ამისი მიზები ეს
არის, რომ ამ ჩვენებურმა ხალხმა ნახა, აჩვენეს ამათ
ევროპილებმა შომართულება, ხელვა ამ მაშინ ეპისაჭ
ესენი ამას მაღალ მიხვდნენ, თითონაც ისწავლეს ამი-
სი ხელი, და დღეს ამათ უფრო ენდობიან რკინ გსი
გზის პატრონების უიდრემ თავისსავაჭ ევროპელებსა
რადგან ამ ჩვენებურებმა გარდა ამისა, რომ საქმე
იმათვედ ნაკლებად ალარ გრეიან ამასთან არა ლო-
თლშენ და ეუროპელებიანი ძალებან ემტერებიან
დვინოსა.

— არ ძალა შეკვენებაებისა და სხვა და სხვა სა-
მეტიერო. ზოგი მიუკლამდა ვარჯიში ეს ესტეროს კედები
საქმე მიუკლამდა ვარჯიში ეს ესტეროს კედები
სამო კედები და კედები მისამართოს ან ტე ფურცელაძე,
სილია ცლენდ აფ ადემოვ ისიხი ნორ ამეცდ ქრის-
ტონიან თელეც ადემოვ მისამართოს ან ტე ფურცელაძე,
უმცეს კედები და კედები მისამართოს ან ტე ფურცელაძე,

ქონი აძლევის მოადა ძაბრზ აფაპერ ჰომიგინ
... ლიტერატურის თანახურ შეს. ეს ფრე ქვე—
ას ერთხელ ითხვ (ძრმირმ ძაცვ დოკტ) ის ეს
— ცხვნი... წერას უკურნავთ თქენი ჭირიმეთი... ცრდა—
ტკ ქეთვიანათ განლავართ!... კვირა—ცხოველში ფა—
ხლიდით... კრყალობდეთ იმისი მაღლი... (ცოტა ფე—
ხინ უსუსტლება, თათქოს ზარბაცებსო). იცყვიან:
ლვინო, — კაცის ყავარჯენია... ყავარჯენი კი არა
ე ფეხები სულ მომკერთა.: (ოლნავ, წარაპბაცება.)
ლვინო!... ო...ო...ო...ო... კარგი რამარი ლვინო!..
ნეტავი ი ვაზის ძირში მომკლა!... ლვინო!... ჯანი,
ჯანი, ლვინო!... ჯანი გამჩენის მაღლმა!... (ზარბა—
ცებს.) ლვინო—სისხლია კაცისა... სისხლი და ლვი—
ნო... მაშ!... (ზარბაცებს.) რას იცინით!... ლვინო
ხომ ლვინოა და სისხლი — სისხლია!... (იმლერის
წერილის ხმით.)

ჰო...ო...ო...ო... კვირა... ცხოველო,
შენ სალო... ცავათ მო...ვე...ლო!...

მრთი ქვრივი ვნახე ი ხატობაში... ასეთი ფუ—
ლუნა თვალები კი ჰქონდა, როგორც მაყვალი!... ო
გამჩენის მაღლმა!... ვა...ა...აი, დედი-ჩემის ლმერთსა!...
უშ!... (გულზედ ხელს იცემს და ილიმება სიამოვნე—
ბით: მერე ჩამოუვლის და იმლერის:) «ვაი შენ კი

ჩაგევრიხე, უსურვაზის წნელივითა!...» სადღაც გა-
მიგონია: ლვინოვო ბრძანს თვალს აუხელსო, კოჭლს
— ფეხს აადგმევინებსო და დარისბს — გაამდიდრებსო...
მე კი: (ხელით უარს ანიშნებს) ერთი გროშიც არ
მაბალია, თვალები — მელულებმა და მუხლებიც მეკე-
ცურა ნეტავი ხუთი ჯამის მეტი მაინტ ჰამელიოს
რამე!... მართალია ერთო ჩანწერც ჟედ დავაკოლე-
საგრამ რამ... ის იყო და იხა!... ცოტა თავ-მძიმეთ
შევიქნ... დავზარხოშდე ნურას უკაცრავთ თქვე-
ნი ჭირიმეთ ახლა კი წავალ და ერთი კაი ჭილს
გამოვაცხობ... თორმე... ლამე მშეიდობისათ!... (გა-
დის). ... წოშიერ ... სულინი ინის ქმარ თ. რაფა მრისთავი
— ძრძაძ) ... იცოდას მიმეტებ იძებ ... წევიც და
— იყო თ ილაპია ... ასეც დოლაპი — იმიც (მნე
ობიერ ... მრისიერ ქალ (მდეცრძაძ) ... წენ ... თბ
მიცეცხი) ... სილაპი — ილაპი თ იმიც ჩობ
..... (თინე მიუიღეს)

მეოთხეა საუბრის შართული გვარლები, რეზ
-ობი შინ დაფუძნდებოდა ამორთულის თ დედ
-ია და აქრიტელოს ისტორიულის წიგნ ებრძამას ჩანს,
რომ ამამათარი მღვდელი წმინდა ინდუსტრიამედროვე
პიროვნეული და მაგირც განმარტველი აქართველოს
ძეელისა და ქახლის დროის მესკურანენი დრ იმათ
შორის: იბროსენ მარტაძე, გურიული გვირი თერმერაზ
მეურ და მრავალიც სხვან კურმათის საქმულებითა და
ჩურნებით ამამათარი მღვდელს დაუწერით წმინდა
ცხოვრები. ამის დასამტკურებელი ამუთოდ ზემოხსენ
ნებულოს მესკურანენი შხვლოდ 『ქართულის ცხოვრ
რება』 წევსთ ამისა აღწია დაუზეით ამამათარი წმინდა
ლობა აბათარი შლილოს მღწმობით მარტინს რომი
როდესაც წმინდა ასაქართველოს შემემოსული, მხე
ფამს აბათარ მღვდელის უკვესმერთი წლისა წყოფი
ლა ვჩერნ თარ წმინდა ამოს შემოსული წელს დამ
კეშმართულობი შემოტაბათ, შემინ. აბათარ მღვდელის
დაბა აცემის შემოტაბათ ალექსანდრე გამოვიცნობთ, და მამ
გრძელებანთ მომდებარეობის შულო არა, მემი
ტოშა, არმ ისაქართველოს მემეს ტორიეთა განცხად
და დაცებული მესკულის მოუკარეთი გან, მომელნოც ჩეკე
ნის გვერდის ის ისტორიის შესწავლაშე თავების მიტკრებ
ვენ ჰისტორიუმის ცურვენ, რა ეცელ ამ წათელ მოს

სილ მეისტორიეთა წმ. ნინოს შემოსვლის დროც-
კი ვერ გამოურკვევიათ, და აბა ჩვენგან მის განსა-
ზღვრა ჰქომენტოვლად შეუძლებელია. ნაკლულევა-
ნება და მიუხვედრობა. საერთოო წაუძლვათ წინ, რო-
გორათაც უცხოუტომთ შეწერალთა უგრეთვე, თვით
საქართველოს უფრვლესის დროისა მეისტორიეთა უ-
ამ ნაკლულევანებას მხოლოდ ბაქრაძემაც კი კი
ჯეროვანი ყურადღებაზ ამ პოლონე დროს და დაუდი
წმ. ნინოს შემოსვლა საქართველოსში ავახუ
შტის პაზრით 313 წ. მნეწერების თეოზილკოტე ბერ-
ძნის მწერლის პაზრით 310 წ. ფრანცუზისა თეოზი
რიკოსტს სენ-მარტენის პაზრით 276 წ. მარტინ და
დასაფერხებელი არ აზისო განმარტავს ბაქრაძე. ბრძო-
სეს ფიქრით 301 წ. დან 327 წ. სომხის. მწერალი
ჩამიჩნანის შაზრით 317 წ. გორგო წერეთლის გრილ
314 წ. ბერძნისავე ისტორიკოსის პაროზრუსის და
რიც 311 წ. ბრძოსე მინოსის მუსვლის ტადევ 325 წ.
მოიხსენებს და შირიანისაგინ ნითელი დება-კე 328 წ.
ვან მფ. მესხიც 314 წ. მისწერა და ჯან შვიდი და თევ-
მურაზ მეფები დამინთ ეთანხმებინ რუფრნი იუმინთ
საფუნის საეკვლესიო თეოზის შეწერალი და მინგირ-
თხრიაბს თვავის საეკვლესიო ისტორიას. პირველი და წიგნ
ნის მეათე თავში, რომ აქართფელოვ შესამე სამუკუ-
ნის დასაწყის მიზანობა მიზანობის ტიანობა და მინგირთხ
ვალუდ ფანმარტავს ქრისტიანიზმის და მწრახნ მე

ფის შესახებ და მოლოს უმატებს, რომ ყველა ესე ან მე შეცატა საქართველოს მეფეს მირიანის შვილის ბაზურ-მეფისაგანაო. რომელიც როგორიც ფოფილა, რამდენსამე ხანსა და ერთსალიშვილთა დღე უცხოვდათ. რუსინის ჰაზრისავე ემყარებიან საქართველოს გაქრისტიან ეპისკ შესახებ საპერძნეთის საეკკლესიო რეკონისტორის შემდეგი მწერალნის საზმენო საკრატიდან და თეოდირიტე დამათხა თანახმადვე განმარტობის ტავე მეტვე საკუკლესით მწერალი პროკოლია იმისათვის რომ იმდევნები ასერომ ამ ხროვა მეის ტორიეთ შემდევ დღე-საცავი ვიცით ნამდერებათ, თუ წმ ნინო როდის შემდევიდა საქართველოსში. ხამიტომის გარციელობა არც აბაითარის წელთ აღრიცხვები შეგვიძლიან და კახეთით თუ ეს როდის დაგიბადა. ჩადგანაც თვით აბაითარი მოვითხრობს კორომ მე იმ დროს თექნიკურ ტი წლისა ციაცავით აბაითარი მიღვდელი ისეურწყებს თავისაგან აღწერთ ლის მოთხოვმის შესავალსა და მის მე აბაითარ მღვდელი ვიყავა ხვედრული წლის სათექეცმეტისა და დღეს წმ ნინო მოაწია (მცხოვრი მცხვე ჭამს მოწევნულ იქმნა ჩვენ დასან ტიოური ურითავან მღვდელთა წერილი, რომელსა და შინო გული ეს რედას მე სიტყვების შემდევ იწყება წმ ნინოს აღწერა, მეორე ამოწმება აბაითარ მღვდელი იწყება ასევე მეორებისა და მეორეს მღვდელი მეორების თექნიკურ

თორმებისა, რომელიც მეტყველი და ყურითა ჩემითი ეგზ
სმინე: დედისა შაშისა და მამისა დელისაგან ჩემისა
და რომელი წიგნთაურა უწყით აღ ეს ინი შენ ა
გვაქვს, ტართარა მღვდლის შესახებ, რომელიც უერ
ჭველია, რომ მისხუალამში უნდა მდევროვნოდეს, ჩენ
არ ვიცით მას ლილოდ ის, თუ არით მას მღვდლის რა
ენაზე დაწერა, ზოგნი ჰუკერები, რომელიც აურისულათ
ან მურქნ ულახაო. რადგან არ აუსიარების მღვდლი
აუგვავ ეს რიცხვი. მჯული განა არ შეია
ძლება რომ აბიათარი რჯულიო ფრთხოა მღვდლი
ურთირლისას და ინგისას და დევასას - უსის არჩეველი
და ქათოლიკ ენაზე დაწერებას, ეს მათ უფრო,
რაღაც აუ აბიათარი ნამის უმაღლეს დაუკლოვა
წმ. წინამდებარებულ მისამართისა და წოდენ
იმას უწყით, რომ გვარის კათელება მარცნი
არ ჰქონდათ და გვერდი როგორი და დაწერა. ამას
მხალეოდ ის პირნაბრძანებენ, რომელიც სომები
მესამედი შეერება, ქართული იმავე სისტემაზე არ არის
მაგრამ იფარნავის შემდეგ შემდებული მხედართათვის
(ჭურული) ან მანი რიცხვი იქმნას ცურნ და უსერი არ აყოს
და არათას ურთიერთების ასოებით დაწერილი, გან
არ შეაძლებოდა, რომ უიტვერი კერთული ყრი
ჭურული ერთს სიტყვით ცვერის შემდებული დებით და
სოჭულა უშმარისტების უიგურის შემდებული არიათ
მღვდლის შემარტივების უიგურის შემდებული არიათ.

საკურნეელად მხოლოდ ის არის რომ ნინოს მო-
კულტურული დროს აბიათარი თექუნშეტი წლისა ყოფილა
და ანუ თუ ამ ხნის ყმაშვილი-კაცი მღვდლთა იქმნე
ბოდა იქმნება შემდეგ მინიჭ. ამაზე შეიძლობა იქმნონ
არას გარდმოცვემენ და არც ლად ინსერებს. ასეც
შეიძლება ნინოს დროს ოქვესმეტი წლის უჯუჯლი-
კოს, მაგრამ შემდეგ შევის მღვდელთა.

სხვაუნიბები ამ აბიათარ შეიახებ ჩვენ
არა ვიცით-რა და არც ლარჯას სხვები გარდა მეტებები
თუ სად გარდაიცვალა რამდენი ხნის და ან სხვაც
დაწერა რამთ თუ არა ამის მხოლოდ ა-კი
სჩანს, რამ მეუღლეც ჰყოლია და ერთი ასულია
როგორც მამის ფეიქს წევიზა წმ. ნინოს ფლი-
შავებია უციცეს ცმინდებუ ლომის ცორი თ
დათხრებინი რა თარიღის ცემოდე ჩი აუციც
ენის ცი დემონიზ ქართ აუციც ჩემის ჩი ხო-
რის ცი რა თე იური რა თე იური რა თე იური
რა მემ იური რა თე იური რა თე იური რა თე
უძინები რა მემ იური რა თე იური რა თე იური
რა მემ იური რა თე იური რა თე იური რა თე
საქართველოს ტატორის მწერალნი ქმნას და
გაქამა, თეიმურაზ მფუვა, ვახტანგი, ვახუშტი, იუსტ
ლიანი, გა წურუთელი დ. ჯანაშვილი და სჩანი თმ
თქმას უთა-ხმად ამაკიცებენ, რომ სიდონია დედა
კაცი, რომელიც მოთხოვ საუკუნესში საქორთველოს

ის იყო აბგათარ მღედლის ასულიო. ამა მწერალთა
გარდოცემისა და «ქართლის ცხოვრების» ცოტბე-
ბითა სჩანს, რომ სიღონია დედა-კაცი წმ. ნინოს
ზრა-მედროვე პირი ყოფილა. ამ სავნის გაცნობასა
და გარჩევას ას უკანასკნელს დროსა მხოლოდ დ.
ბაქრაძეშ დასდო ზელი და ისიც დიტის სიურთხი-
ლითა, რომელმაც «ქართლის ცხოვრების» გარდა
სხვა შრაფალი წყაროებიც იქონია და განსაკუთრე-
ბით შომებთა და უქხო-ტომხ ისტორიულსთა.

რა-კი ვაჭრანგისაგან, ვარუმოსა თეიმურავის-
ცა-და სკვა უძველს ტროის მესტორნე მეზლაზე-
თაგან არის შემოტანილი საქართველოს ისტორი-
ულს. წერილებში ამა შიდონია დედა-კაცის შესახებ
და ეთომეც მართლ ცნობებზე აშენებული, წერ-
ულა ამ ცნობებს საჩრმუნოთ არ მივიღებდით,
რომ ამ უკანასკნელს დროს ბროსესა და ბაქრაძეს
არ მოეკიდნათ ხელი და არ გაერკეთათ, თუ ვინ
არის სიღონია დედა-კაცი. ჩეინ ამ თა მწერალთ
თქმულებას უფრო კერძო სიღონიას შესახე-
ბა, რადგანაც ესენი თვით სიღონია დედა-კაცის ნა-
წერებიდამ ხელ-მძღვანელობდნენ. ამათის ჰაზრით, სი-
ღონია დედა-კაცი, ჩაგის მამის აბიათარ მღედლის
ჩეინის ჰაზრით დედა-კაცი წმ. ნინო, ნინოს გან
შეუსწავლია წერა-კითხებ და ქარისტეს სარწმუნო-
ბისადმის კეთილი კრიკლულუმებით ჰაზრები.

ამი ამავე მწერლაპოვა თუ მექულები როვე, ასი დღინია - დედა-
კაცი. შემდეგ ალუწერის ცხადება წმიდასა ნინოს, ა
რომლის წერილები ცეტანილია განკუნგისა და
ფასუშტისაგან. გარდა კუთებულს და დაჯიჯვნილს
«ქართლის ცხოვრებაში». აი ასე იწყებს სიღონია
დედა-კაცი თავის პირველი ალწერის შესავალსა:

«მეფე მირიანის განსვლა ჭალაკთა, თვესა ივ-
ლისსა. დღესა შაბათსა.» ამ წერილში ალწერილია
მირიანისაგან ქრისტეს სარწმუნოებისადმი მორჩი-
ლება და სასწაულები. მეორე წერილი იწყობა ასე:
«თქმული სიღონია დედაკაცისა, რომელი იყო მო-
წაფე წმ. ნინოსი, რომელი ესე იხილა და დაწერა
მოქცევა მირიან მეფისა და შევრდომა ნინოსი ასა-
რებისათვის ქრისტეს და ჯვარისა აღმართებინათვის,
ეკკლესიათა ცალშენებისათვის და მას შინა სასწა-
ულთა მისთარების.» შემდეგ ამ ხიტების გან იქან ტერა
ალწერა. ჩვენსა კ ვიცით, თუ ციღონია დედა-კაცმაც
რა ერთხე ჩლწერა დწმიდა თანას ცხოვრება, ქარ-
თულს ცნაშე, თუ სხვა ენაზე, პატი შესახებ გსტო-
რის მწერალნი არავ დისტმოლებელები და ამაზე-კი
ეჭვის უნდა გვჭონდეს, არამენ გრითომც სიჭონია
დედა-კაცი ქართულს ენაზე შედერებისა წმ. ნინ-
ოს ცხოვრება. უცვა ცხობები ზიღონიას მწერლი-
ბისა, თუ მწერნობისა ცემახებ ცემახენებული
ძელთა და ახალთა მეიმური წაგრძელები არაფე-

აღუყვანით იტომეფედ ასევე რჩებილი იყო რათა მაგრა
ხებსოფას ველთა განმიათხოვეთში ქალაქი
ბის ერთმანერთში მიმიტიცხვების შემდეგ მიმდევრობის
როგორათ კულტურული ქალაქი იყო გამოყენების
ქრისტიანული და კულტურული სამხედის უკულის და ბერძნის
ძნების უკულის განვითარება მდებარებოდა და მიმდევრობის
ქართველებისა და ასოციაციების უკულის განვითარება
ლლესთ წერილობა და უკულის განვითარების უკულის
შემდეგ კი ისე მიზოთ თებოდა და უკულის განვითარების
შემდეგ კართველებისა და ასოციაციების შემდევრობი არა მარ
თუ ქალების მიხეხვება ირამედ პურის ჭარბა კულ
უშლიდნენ მერით მანერით შიდა მას ცხადათ მოტკილეები
სომხეთის მერს ტორიენის და ბაქრაძე მროსეული ან ანგლიური და ივონ მერიეს ხელი აუკართლის უკულის
რებაში. »

თუ მის შესახებ, თორმების განვითარების და მისი მიზანი,
ამ ხალხს უფრო მტკუცე და უშინაი კულტურული მიზანი
ნერთვი, ამას უფრო და თოვები მტკიცებსა მას ალორე და მ
დაუტლის ამ მაგისტრული სომხეთი მეფის ტრადიცია
ასული და მაკარონელი ამ მეფის მირის სომხეთის
მეუღლე მის ქალს და ქართლის ტრადიცია სოლო
მდ უჯარმოებული მეტადებები და ასევე უტადებს მეტა
სეს და ბაქრაძე სომხეთი ტრადიციას კითუ რომელი
უტოლებენ ასალო მეტადებელს, ნომის უტოლების
ცხაბები მეტადების არს მოუყვან რლის კულტურული არს

ქართლის ცხოვრებაში აგრეთვე სოჭეხთა შეისტოვა
რეფონი წიგნ ემსიახვდა ასტლის დროის თავაჭროს ულის
მეის ტორიეთა რაწერების და თეოდორინის იჩილ ცენტრის დას-
გარღვევალთ რიცხუს ხევან აზრი მისრი მარტინ ჩეკონი
იძის კრისტიანულობრივ მწერლობას და შეეხება ასტლის
მიოსალომე თუ ჯარმო და დასტლოვებული პირები
და ცოან ამედრებულ მიერის თან ისტორიული ისტორიული ისტორიული
წიგნ ემიდამ სჩანს კომიტეტისა და აზროვნობის დედოფ-
ფალის შეს მტკუცე კავშირის უფლისა და მყარებული
ჩეკონის ისტორიების მარწმობითა და მოკუროვის მაღლო
მეს უჯრძოს ელის ცნობებიდან კურსჩანს სტანდარტების
აღმარტინ მოკუცე მარწმობითა მეტიანი შეფისა და მისოცე უოფ-
ლის დედოფლის და მელიკები შეტანილობული ართლის
ცხოვრებაში ასტლომები დოკუმენტის ფარგლები
აღწერის შესავალსა.

ს. «მოწიფე კურის მეფეთა და მისამართ უოფელთა
ერისა და ქართლისა, წმიდანისა და წმინდასა და მეტ
ნისა წმინდა მიმკიდენის მეფე და ფილის მისამართ
ასევე მოწმობე ცალის მეტ დედოფლის და მარტინ
მოგვითხმობს ისტანალეფერერს წმიდანის მოგვითხმობის
სართომ თავითვის წმინდას მიმბოსტი მისი თვის უფლის
ლა და მისა კურის მის შემოწევა აღმარტინ მისი და მის
საქართველოს თავის კურის მიმღები თავის მისი და მის
ლომები დედოფლის მარტინ უნდა და მის და თავის მისი
თხრის ამინტი მისა კურის მის მისი და მის

შედიან, ნამეტნავთ მოგვიანები პარტიის მექლთაც არა
სწამო, რომ ქართველებს მეოთხე საუკუნეში ასო
მთავრული ხუცური არა ჭიქნდათ ღლამ ჩვენ კი
იმ ჰაზრს ვადგევართ, რომ თუნდა ღნბანეც არ ყო-
ფილიყოს და სხვა ანშან რა სამართლება ქართველებსა,
განა არ შეიძლებოდა, რომ სალომე უჯარმოელსაც
თავისი ქართული აღწერისთვის სხეულის ანბანი ეხმა-
როს. მაგრამ ამის მიღება რა მიმოიდება, როდესაც აშ-
კარად მტკიცდება ასო-შთავრული ხუცურის შემო-
ლება წინეთ სალომე უჯარმოელს ცხოვრებამდის.
ასე რომ შეიძლება, რომ ჩვენ გვკითხოთ კი ვიქო-
ნიოთ იმის შესახებ, თუ მალომე დედოფლალს ქარ-
თულს ენაზე არ აღწეროთ, ჩვენ ასე თვით მისი
შოთხრობაც ამტკიცებს. ამის შემთხვევაში ამის მწიგნო-
ბრობისა და მტკიცლობისა შესახებ მჩგრალი შეფერ-
ვაქცეს და არცარას დელი შესტორიენი გარდმო-
გვცემენ, თუ სხვაც დაწერა რამეოუ არა, ყველა ამ
საეჭვო ცნობებთან გატევნ და ასასიამიუნოდ მხოლოდ
ისა რჩება, რომ აქ აღწერილ მტკიცლო ნაწერები
საქმარისის ხელოვნურის ენით არიან ნაწერი და თუ
ამათ ნაწერებს სხვის წარაში რა მოხევდოთ და
მართლაც ყველა ესერი შეოთხე საუკუნის ქართვე-
ლების ენაა და იმ დროს ენეუთვნის, მაშინ ჰატიი
და დიდება ქართველ უმწერეს დროის მტკიცლებთა,
რომელთაც ასე ლაშქარი დგარც კულტის ქამეტება-
ვებულის ენით უწერიათ.

ესი კურთხულობრივ თუშისა და მცირები რენტენი
ხმა ინტერესი გადასახმარ მეტყველების ჩარ ფინანს
ის შეძლება ნიჭიერითა და ისტორიული იურიდიკური
არ არ უცადმდე ჰქონდა! და დადგრძნელ მაშინ ზო
ერთ გარე კურთხის უინულობრივი შეიძლოს. თუ ქადაგით
ერთხელ გადასახმარ მცირების არ არა და
ამავე იმა მაგარს სადგურზედ, მაგრამ ის გარეთ
ამ კურთხის სამშობლოს არს გარდა შოილი...
ამავე კურთხის გადასახმარ მცირების ფარგლე
უნვი, ქრისტიანული ცხოველი. თებერ ადრე
წმინდა ჰაერი, მაგრამ იმა იმცირების ჩარ გა
მუნ არ მაკლრა შუნებისაგან; მცირების მიზი თავის
იან თვითწყურნებილობა მომკვლელი, არ ცხიდე ჭრილ
ამავე წყალნარუკვდავნი, კეცენები ეცდომისათვი
ამ მუხუსხესებენ გრძელვით მთებილებან. თუ ინთერე
ამავე მანი კამპანია, იურებ ლიცეის თუ არა
სი თებერ ცხოველი წამი, ეჭილ უდის კათ მცირები
უკიმა მარგალიტა გრძლილთ ჟუნია, მცირებობი არ
იძირის არა არა არა არა არა არა არა არა
და მთას პალახი მარტო მიმღებოლებ მარტო არა
კათ თუ იარა მარტო მარტო მარტო მარტო არა
კათ შულო ძაფი, არა მცირები არა
კალის თამასა კათ დავარცხნილია.
მცირები მცირები მცირები მცირები მცირები
იგირებ მცირები მცირები მცირები მცირები
და მცირები მცირები მცირები მცირები მცირები
მცირები მცირები მცირები მცირები მცირები

მზისაგან მცუულნიქვედი ცეხრთ
 ტშირნი ღრუბელნიქვედი აონჭო
 მთისა წვერებჰკედა ურალითა გაშლილია; იძრების
 სიდამც ძრიელით, რომელი მცდები
 თვისისა მჟარდით, ითვალისწინებ
 მდინარეებსა მართადა ურალიანისა; რიცხვები
 და მრისხან ელვით, რომელი რომელ
 ჭექა — ქუხმლები, და აუგანი
 აღმფოთებულნის ემშალებიან და დამოუკიდოვნოს
 რომ მორწყან წვიმით, ძლიერი
 ანუ სხვილ-სეტყვით,
 რომელს ადგილთაც გარდა წრიდებიან, აქცევს
 მაღლიდგან ზეანი, რომელი
 დაძვრის ღრას პვრი, რომელი
 ამღრალ ხევებსა გადაჭყურებენ ანი დამბრო
 და ხევთ გვერდებზედ, რომელი
 ფრიალოვებზედ, რომელი
 კლდის ნამზღვევლებე ჯახეს აფრინებენ...
 ქვესკნელს ხევები,
 იურებ-არიანისნელები;
 მათსა სიღრმესა მზე ვერა სწვდება. 1881
 და მუნ ყორანი,
 გლოვის ხმიანი,
 ლეშ-საძებნავათ მხოლოდ ფრინდება!

ତୁମ୍ଭୁରୀ ହେବନ୍ତି-ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ ଦେଖୁଥିଲି
 ତୁମ୍ଭିତା ସାମାଜିକ-ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବିଷୟରେ
 ମର୍ଯ୍ୟାନି ଜ୍ଞାନ-ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ମର୍ଯ୍ୟାନିପ୍ରଦୂଷିତ-କୁଳନ୍ତିର ଜ୍ଞାନ
 ମାଧ୍ୟମ ଫିନାଙ୍କାର, ରାଜୀନ୍ ଉଚ୍ଚବିଦୀ
 ଏବଂ ଲ୍ୟାଟିନ୍ ଫିନାଙ୍କାରିକାରୀରେ
 ଉଦ୍‌ଯୋଗିତା କିମ୍ବଳମ୍ବିତ-କୁଳନ୍ତିର
 ମାତରା କାମ୍ରିତା-କୁଳ ଦେଖିଲି ଏହି
 ର୍ଯ୍ୟାନିଲିତ ଓ ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ, — ଏହି
 ମନ୍ଦିରକାଳିତଥେ ହେବନ୍ତି କାଳିତଥେ ଶର୍ମିତା-କୁଳରେ
 ରାମଲୀଲା ଶେଖିନ୍ତି, କାଳିତଥେ କାଳି
 କାଲି ତାଳ-ପ୍ରକାଶିଲିତ,
 ପରମ୍ପରା ଜ୍ଞାନ-ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ମାନ୍ଦିନୀ
 ପରମ୍ପରା ଜ୍ଞାନ-ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ମାନ୍ଦିନୀ
 ଫିନାଙ୍କାରି କାଳିତଥେ କାଳିତଥେ
 ତୁମ୍ଭିତା ଅନ୍ତର୍ମିଳିତ,
 ତୁମ୍ଭିତା ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ କାଳିତଥେ
 ବିନିପି ତାଳିଲା ମାନ୍ଦିନୀ,
 କାଳିତଥେ କାଳିତଥେ
 ତାଳିଲା ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ
 ତାଳିଲା ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ
 ତାଳିଲା ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ
 କାଳିତଥେ କାଳିତଥେ
 କାଳିତଥେ କାଳିତଥେ

1883 ଫେବୃଆରୀ ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ ଏହି ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ମାନ୍ଦିନୀ
 ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ କାଳିତଥେ
 ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ କାଳିତଥେ
 ମିଶାର୍କୁଣ୍ଡ କାଳିତଥେ

L o a n s C a s e .

არც სახლი მაქვს, არც კარი,
ვარ შრომის ანაბარად;

ს ე რ გ ე ი მ ე ს ხ ი

1883 წ. ივლისის 21-ს, ნასაღილების შეოთხე
საათის ნახევარზე გარდაიცვალა გაზეთის «როკების»
რედაქტორი სერგეი სვიმონის - ძე მესხი. სერგეი
მესხი დაიბადა 1845 წ. ოქტომბრის 19-ს, ქუთაი-
სის გუბერნიის ოკრიბის სოფელს რიონში. სერ-
გეი მესხს პატარაობისათ პირველად სახლში შეა-
სწავლეს წერა-კითხვა ჭართულს ენაზედა, და 1856-
წ. იანვრის შეიღწია მის მიამარეს ქუთაისძის გემნაზია-
ში. ამ დროს სერგეი მესხი ათი წლის ასამე-
კლასამდის სერგეი მესხი თავის ჭარჯით ყოფილა
სასწავლებელში, და მესამე ცლასრდემ მეშვიდემდის-
კი სახემწიფო ჭარჯზე. უსამარტინ სწავლების ის კარგად
სწავლობდა, ყოველს წელიწადს ერთიანდა მესამე ში
გადადიოდა.

1863 წ. ივნისში შერგეო შესხმე შექმნულა
გემნაზიის სწავლა, რომელიც მავე წელს დანიშნებ
სახელმწიფო ხარჯით მუკურბურგის უნივერსიტის
კავკაშის სტიპენდიატთა. უნივერსიტეტში შევიდა
და საგნათ აირჩია ბუნებითი მეცნიერული ფაკულტეტის
ფოკულიტეტი. 1867 წ. სერგეი მესხმა გაათავა-
უნივერსიტეტის სწავლა, და ამავე წლის აგვისტოში

დაზრუნვდა შე. ქუთაისში ქუთაისშე დაპყო თარი წერ
ლიწელი ამ ხნის განმავლობაში ის დაუახლოვდა
«დღროების» რედაქტორს გ. წერეთელისა და ლაიტენ
წერილების, ძარღა «დროებაში», ლაპიტე მცხველ-
შვილშვიახელით ამ მცირე ხნის განმავლობაში
სკოლის მცხველით და განვითარდა ქართულ-
ობა წწერალობის მინჯურს საქმეებში რომ 1869 წ.
ქუთაისიდამ მოიწვია თევა «ფრთხების» რედაქტორში
გ. წერეთელმა და სათხოვა, რომ ს. მცხველი უკარგრა
«დღროების» რედაქტორობა, ავდ ასი ხელი მოვიდ
17 აპრილიდამ სერგეი მცხველი და დაწესებულ
კურთხულობის რედაქტორობა და დაწესებულ გამო-
ცემა. ამავე წელს სერგეი მცხველი გარდასცე გ. წე-
რეთელმა «სასოფლო განეთის» რედაქტორობა, და
შან თითვის ნახევარ წელიწლზე შეტი ლის გვიჩეთის
სკემე აწარმოვა, 1870 წელს კი გ. წერეთელმა დაკ-
შტატის ს. შესხს «დროების». წამდევილი რედაქტორ-
ობა. და იმავე დღის დროის სახელით იწრეულ
1874 წლის დამლევაში ის განეთი «დროება»
კურირაში ერთხელ გამოდიადა. 1875 წ. დამდევილიში
კურირაში საბჭეო, უილე 1877 წ. ივნისში თვემ-
ცი კურირაში საბჭეო, უილე 1877 წ. ივნისში თვემ-
ცი, ამის შემდეგ კი დღროება» დღიურ განვითარდ
გახადა. 1879 წ. განეთს «დროება» მასთავლი შან-
ტოს ს. მცხველი. 1880 წ. კი მას შეცუკვების ილ. კუ-
რირაში კურირაში გ. წერეთი. რომლის კურირი დიდ-

ხვერდის თან გამოქველდა და წილით ახერხდის. შემდეგ და-
მდებარებული დღეს » არეზაქტონიშვილი დანიელი, საცე ჭერია
შესხი, შესაცე ლამაცე გარკვეულ 1883 წლის ძრინა, დამატებით
განაცხულობაში და ურჩევი მესხი ავათ გახდა, იმის დრო
ტურ თავის თავის დაუმჯობესადა ალა ზემოასე აღდ
ნიშნული ჭილის წილების გარდა ასე უნიკალური მარტინი
და შეზღუდული მარტინი და დაუმჯობესადა გად
შეზღუდული ააცის სამშობლის კუნა ალა სპილიამ პარმო-
ზნუს ცეკვების არეზაქტონი, ალა უგება კარგი და და-
რიყოს, მაგრამ იმას ბეღმზ აუკრიცხდა მალე დაუ-
დონ თამარისა, რომელიც 1883 წლის გრილის 21
გამოხატვილით ასაკუნდა, ჯერები ის გრილით დაუგავრდა
კუკი თავის საყვარელზე ცვერდის. ასე დანიელი და
დონის გრილი მარტინი და წილიადგინი ან ა-
ნელი გაცემა ასწეროს და წირმოადგინი ან ა-
ნელი გაცემა ასწეროს და შრომისა რაც
კი სერვერი მისამა ნახა, «დაროების» მეობებით. ჯე-
რეთ პირველს წლებში გაზეთის საქმე ახალი გა-
ქართველებშია. წერის ჯერ არიყვნენ შეჩემულნი და
შემოტკიცებული კულტონის დიდი შრომა აწევა
კუსერზედაც შრომის განდა გაზეთსაც კულტონის
ზორგლი ჰქონდა. შესავალი გასავალს არა ჰიდანავლი,
ამას უკავშირდებოდა საცე საქმეს უნდა მოენახა რა-
მეს რომ იქადამ ან ბლების ჯამშირით ფიგო ეცხოვ-
ნა და ვარშვის შესავალი-კი გაზეთს ვე მოხმარები-

ମହାରାଜିଶବ୍ଦରୁକ୍ତିରେ ଏଣେଟି ଲୋକଙ୍କାରୀ ପରିପର୍ଵତି ନେଇଛି ତାପ୍ରେ-
ମର୍ଯ୍ୟଳିନୀ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଉଚ୍ଚମାତ୍ରାବିନ୍ଦନ । 20 ମହାରାଜିଶବ୍ଦରୁକ୍ତିରେ ଏଣେଟି
ଦ୍ୱାରା, କୁଣ୍ଡଳୀ ପ୍ରକାଶିତରୁକ୍ତିରେ ସବ୍ୟାକାରୀ ପରିପର୍ଵତି ନେଇଛି ।

საუკუნოდ იყოს ხევება შენი.

1883 წ. აპრილის მეტე გარდა იცვლა დღის დრო
ჩინოსანი და სახულებან თქმიული დღე ერა ადგურა
ტი-გენერალ-თან გრიფი ფართი გრიფი ტურ ტექნიკის
რე თავადი გრაფიკი და მიმდრის მეტე რელიგიურ

თ. მა მეტე ლინგან და გარდა იცვლა დღის დრო
და თხრა წლის მოხუცია არ პარაგენული ჰინო
ისეთი საზოგადო და პატივული დამაფლავების რომე
ლის მეტავრი დიდებით ჯერ აქ იძამდის საჭარივა
ლოსში არავის ჭრის სერის მეტე დღის გარდა არა
არა მეტრად ისეთი თანამდებობის აღმოჩენულებელი გადა
ნიშნავდნ კავკასიაში, რომლის მყგავი თან ამდე
ბორა ჯერ აქამდეს არც ერთ ქართველს არ სკერია
და ხშირათ ისეთს დარგ ხელაც შორის ელემენტი რო
მელის ხელში ცა ყოფილა ჩვენის ქვეუნის მელი და
უბედული ცა ცა მეტე დღის ფორმის ინიც
და დიდები გავლენა იანთ პარაგვაზე პატივული და
ავტოგვე მეტე კსე, რომელმცა რომ მოცოდე სასი
მლექლე და სასიმომენი ას დექს მეტე დღის და ტანი
ნიც დიდის ხელოვნებით არა მეტე გარდა კავკასია
მო კავკასია განმარტა «აროვბა შირა რომ გრ. ურ
ბელიანი ფასის ხელოვნებით სა კილომეტრო მეტ
ლექს კერძის მამა მთავარს აუისუაველ უდაც მის დღია
სადაც არა

- I ანდრია მოციქულის დროს საქართველო.
დ. ბაქრაძისა.
- II ლექსი, აკაკისა.
- III მოგონება რისგან წარმოსდგება, ანტ. ფურ-
ცელაძისა.
- IV ზარხოში, სცენა, თ. რაფ. ერისთავისა.
- V სიმღერა, იოს. ოქროაშვილისა.
- VI მეოთხე საუკ. ქართვ. მწერლები ზ. მთა-
წმინდელისა.
- VII ნინას, ლექსი თ. სოლ. ტუსიშვილისა.
- VIII სამშობლო თუშისა თ. დიმ ჩოლაყაშვილ.
- IX სერგეი მესხი, და გრ. ორბელიანი, ჭრი-
ჭინასი.

გრ. ჩარქვიანის ქართული წიგნის მაღაზიაში
ისყიდება შემდეგი ახალი წიგნები:

- 1) ანატომია კაცისა, ალ. კავთელისა. 20 კრპ.
- 2) ალი, შოთხრობა, ნ. ლომოურისა. 30 კრპ.
- 3) დედა მაია, მოთხ. ს. მეალობლიშვილისა 20 კ.
- 4) ბედ-უკულმართი ჯალაბობა, მოთხ. ალ. მირი-ანაშვილისა 15 კრპ.
- 5) ილანე შავთელი, (ბიოგრაფია), ზ. მთაწმინ-დელისა 15 კრპ.
- 6) ხომლი, გოგებაშვილისა 30 კრპ.
- 7) კუნწულა, გოგებაშვილისა 40 კრპ.

ლიტოგრაფია.

ვიღებთ იაფათ უოველ ნაირს საქმეებსა. ლიტოგრა-
ფია იმუოფება ლორის-მელიქოვის ქუჩაზე ჩემს ჟა-
კუთარს სახლებში.

ილანე შესხევია.